Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 247
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 13 सितम्बर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 टाटा टेक्नोलॉजी द्वारा रामटेक में कौशल...

4 सामाजिक सोच में दहेज की गहरी जड़ें, उत्तर...

7 वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं :...

संक्षिप्त न्यूज

एआई कृषि में क्रांति लाएगा, किसानों की स्थिति बेहतर बनाएगाः गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि उनका मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कृषि क्षेत्र में क्रांति लाने के साथ ही किसानों की स्थिति सुधारने में मदद भी करेगा।

गडकरी ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' बारामती के कृषि विज्ञान केंद्र जरूर जाएं और वहां अपनाई जा रही नवीनतम तकनीकों को देखें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) निश्चित रूप से किसानों के लिए मददगार साबित होगी। मेरा मानना ??है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता कृषि क्षेत्र में क्रांति लाएगी।''

केंद्रीय मंत्री ने इथनॉल उत्पादन के बारे में कहा कि देश में 350-400 कारखाने इथेनॉल का उत्पादन करते हैं और किसानों को इससे काफी लाभ हुआ है। गडकरी ने कहा, ''मक्के से बने इथनॉल से किसानों को 45,000 करोड़ रुपये की कमाई हुई है। पहले मक्के का भाव 1,200 रुपये प्रति क्विंटल था, जो अब बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गया है। मक्के की खेती का रकबा तीन गुना बढ़ गया है। जो लोग इसका विरोध करना चाहते हैं, मैं उनकी परवाह नहीं करूंगा। मेरा रास्ता साफ है। ''

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि 20 प्रतिशत एथनॉल के मिश्रण वाले पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर पैसा देकर अभियान चला गया था, जिसका मकसद उन्हें राजनीतिक रूप से निशाने पर लेना था।

सोयाबीन के बारे में गडकरी ने कहा कि किसानों को इसकी फसल उगाने में कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा, '' अटैक तो है ही, रेट भी अच्छे नहीं हैं और उत्पादन भी कम है।

पीएम मोदी ने लॉन्च किया ज्ञान भारतम पोर्टल स्वर्णिम अतीत के पुनर्जागरण का महाअभियान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ज्ञान भारतम पोर्टल का शुभारंभ किया, जो एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसका उद्देश्य पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुंच में तेजी लाना है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैंने कुछ दिन पहले ज्ञान भारतम मिशन की घोषणा की थी और आज हम ज्ञान भारतम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह कोई सरकारी या अकादमिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति, साहित्य और चेतना का उद्घोष है। मैं ज्ञान भारतम मिशन के शुभारंभ के लिए देश के सभी नागरिकों को बधाई देता हूं।

मोदी ने कहा कि आज विज्ञान भवन, भारत के स्वर्णिम अतीत के पुनर्जागरण का साक्षी बन रहा है। कुछ ही दिन पहले मैंने ज्ञान भारतम् मिशन की घोषणा की थी, और इतने कम समय में आज हम ज्ञान भारतम् इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर रहे हैं। इससे जुड़ा पोर्टल भी लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि ये एक सरकारी या एकेडेमिक इवेंट नहीं है। ज्ञान भारतम् मिशन, भारत की संस्कृति, साहित्य और चेतना का उद्घोष बनने जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हजारों पीढ़ियों का चिंतन मनन, भारत के महान आचार्यों और विद्वानों का बोध और शोध, हमारी ज्ञान परंपराएं, हमारे वैज्ञानिक धरोहरें– ज्ञान भारतम् मिशन के जरिए हम उन्हें डिजिटाइज्ड करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा हस्तलिपि संग्रह है। करीब 1 करोड़ हस्तलिपि हमारे पास हैं। इतिहास के क्रूर थपेड़ों में लाखों हस्तलिपि जल गईं, लुप्त हो गईं, लेकिन जो बची हैं, वे इसका साक्षी हैं कि ज्ञान और विज्ञान पठन पाठन के लिए हमारे पूर्वजों की निष्ठा कितनी गहरी और व्यापक थी।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा आज तक इतनी समृद्ध है, क्योंकि इसकी नींव 4 मुख्य पिलर्स पर आधारित हैं। ये हैं संरक्षण, नवाचार, परिवर्धन और अनुकूलन। उन्होंने कहा कि भारत स्वयं में एक जीवंत प्रवाह है, जिसका निर्माण उसके विचारों, आदर्शों और मूल्यों से हुआ है। भारत की प्राचीन पांडुलिपियों में हमें भारत के निरंतर प्रवाह की रेखाएं देखने को मिलती हैं। ये पांडुलिपियां हमारी विविधता में एकता का घोषणा पत्र भी हैं।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोलेः

भारत की बढ़ती ताकत से घबराकर लगाए गए टैरिफ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत पर टैरिफ उसकी वृद्धि के 'डर' के कारण लगाए गए हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि वैश्विक शक्तियाँ भारत की बढ़ती ताकत को लेकर चिंतित हैं। आरएसएस प्रमुख ने यह बात नागपुर में ब्रह्मकुमारी विश्व शांति सरोवर के सातवें स्थापना दिवस समारोह में कही, जहाँ उन्होंने विश्व में भारत की भूमिका और सामूहिक चिंतन की आवश्यकता पर बात की।

भागवत ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि लोगों को डर है कि अगर कोई और बड़ा हो गया तो उनका क्या होगा। अगर भारत बड़ा हो गया तो वे कहाँ रहेंगे? इसलिए, उन्होंने टैरिफ लगा दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि टैरिफ लगाना भारत की गलती नहीं थी, बल्कि वैश्विक मंच पर उसकी बढ़ती स्थिति के डर के कारण था। हमने कुछ नहीं किया; वे उसी को खुश कर रहे हैं जिसने यह सब किया, क्योंकि अगर यह उनके पास है, तो वे भारत पर थोड़ा दबाव डाल सकते हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि इस तरह के कदम आत्मकेंद्रित मानसिकता का परिणाम हैं।

भागवत ने स्पष्ट किया कि यह सब 'मैं और मेरा' के खेल में होता है। जब वे समझ जाते हैं कि 'मैं और मेरा' वास्तव में 'हम और हमारा' है, तो सभी मुद्दे समाप्त हो जाते हैं। आज, दुनिया को एक समाधान की आवश्यकता है। यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा भारतीय आयातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बीच आई है, जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद के कारण 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल है।

रूस से तेल आयात पर भारत पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के अमेरिका के कदम को अनुचित, अनुचित और अविवेकपूर्ण करार देते हुए, विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि नई दिल्ली 'अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।' इस बीच, मंगलवार को, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प (स्थानीय समय) ने कहा कि अमेरिका और भारत दोनों देशों के बीच 'व्यापार बाधाओं' को दूर करने के लिए बातचीत फिर से शुरू करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी पर लगा प्रतिबंध, मीडियाकर्मियों के लिए भी नए नियम जारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने परिसर की सुरक्षा कड़ी करते हुए एक बड़ा आदेश जारी किया है। शीर्ष अदालत परिसर के उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में अब फ़ोटोग्राफ़ी और वीडियोग्राफ़ी पूरी तरह से प्रतिबंधित है। 10 सितंबर को जारी एक सर्कुलर में सुप्रीम कोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में फ़ोटो लेने या वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं होगी। यह आदेश सर्वोच्च न्यायालय की सुरक्षा तथा प्रतिदिन शीर्ष न्यायालय परिसर में आने वाले लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। 10 सितंबर को जारी एक परिपत्र में सर्वोच्च न्यायालय प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी व्यक्ति को उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में फ़ोटो लेने या वीडियो रिकॉर्ड करने की अनुमति नहीं होगी। नए नियमों में विशेष

रूप से तस्वीरें या वीडियो लेने के लिए मोबाइल फ़ोन के इस्तेमाल पर रोक है, जबकि कैमरे, ट्राइपॉड और सेल्फ़ी स्टिक का भी इस्तेमाल वर्जित है। आदेश में आगे कहा गया है कि पत्रकारों को केवल निम्न-सुरक्षा क्षेत्र के लॉन में ही साक्षात्कार और लाइव प्रसारण करने की अनुमति होगी। इन नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी वकील, वादी, प्रशिक्षु या विधि लिपिक पर बार एसोसिएशन या संबंधित राज्य बार काउंसिल द्वारा कार्रवाई की जाएगी। मीडिया कर्मियों के लिए, उल्लंघन करने पर एक महीने तक के लिए उच्च-सुरक्षा क्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय के रजिस्ट्री कर्मचारियों और अन्य विभागीय कर्मचारियों पर भी कड़ी निगरानी रखी जाएगी, और उनकी ओर से नियमों का उल्लंघन करने पर विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

प्रियंका ने वायनाड में विकास परियोजनाओं की समीक्षा की, नए उपराष्ट्रपति को बधाई दी

वायनाड । कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को सी.पी. राधाकृष्णन के 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने पर उन्हें बधाई दी। राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मैं उन्हें शुभकामनाएं देती हूं।'' प्रियंका गांधी बृहस्पतिवार रात अपने लोकसभा क्षेत्र वायनाड पहुंची जहां शुक्रवार को उन्होंने एक लंबित सड़क परियोजना का भी निरीक्षण किया ताकि मंजूरी संबंधी मुद्दों सहित देरी के कारणों को समझा जा सके। पूझीथोडे-पडिंजरथरा सड़क निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के बाद उन्होंने कहा कि सर्वेक्षण पूरा हो चुका है और अधिकारी मंजूरी के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय से संपर्क करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं खुद देखना चाहती थी कि सड़क अभी कहां है, प्रगति क्या है, और क्या मुद्दे और आपत्तियां हैं। मैं अच्छी तरह अवगत हो गई हूं।'' प्रियंका गांधी ने प्रस्तावित मेप्पाडी सुरंग सड़क के बारे में कहा कि यह इसकी तत्काल आवश्यकता है क्योंकि लोग वास्तव में परेशान हैं। उनका कहना था, ''लोगों की ज़रूरतों को पूरा करते हुए, पारिस्थितिकी और पर्यावरण संबंधी चिंताओं पर भी विचार करना होगा। एक संतुलन बनाना होगा। लोगों के लिए चिकित्सा और अन्य सुविधाओं तक पहुंचना बेहद ज़रूरी है।

सैकड़ों छात्रों ने मशाल लेकर सड़कों पर क्यों किया विरोध, असम में अचानक क्या हुआ

गुवाहटी। असम में इस हफ़्ते फिर से अशांति फैल गई है क्योंकि धुबरी के गोलकगंज में कोच-राजबोंगशी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए। एक शांतिपूर्ण प्रदर्शन के रूप में शुरू हुआ यह प्रदर्शन कथित पुलिस कार्रवाई के बाद झड़पों और चोटों में बदल गया, जिसके परिणामस्वरूप 12 घंटे का बंद हुआ और संवैधानिक मान्यता की लंबे समय से लंबित मांग फिर से केंद्र में आ गई।

हिंसा की शुरुआत कैसे हुई?

बुधवार रात, अखिल कोच-राजबंशी छात्र संघ ने चिलाराई कॉलेज से गोलकगंज बाज़ार तक मशाल जुलूस निकाला। अनुसूचित जनजाति का दर्जा और अलग 'कामतापुर' राज्य की माँग को लेकर आयोजित इस रैली में हज़ारों लोग सड़कों पर उतरे और पुलिस व अर्धसैनिक बलों ने बीच रास्ते में ही उन्हें रोक दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शांतिपूर्ण मार्च के बावजूद सुरक्षा बलों ने लाठीचार्ज किया, जिससे महिलाओं समेत कई लोग घायल हो गए। इस घटना से व्यापक आक्रोश फैल गया और एकेआरएसयू ने गुरुवार को धुबरी में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया।

अनुसूचित जनजाति का दर्जा पाने की मांग

कोच-राजबोंगशी अपने आंदोलन में अकेले नहीं हैं। उनके साथ, पाँच अन्य समुदाय - ताई-अहोम, चुटिया, मटक, मोरन और चाय जनजातियाँ - दशकों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा पाने की माँग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि उनके भूमि अधिकारों, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए मान्यता आवश्यक है।

अनिल विज का विस्फोटक दावा, अंबाला में कुछ लोग चला रहे समानांतर भाजपा

चड़ीगढ़। हरियाणा के वरिष्ठ भाजपा नेता और परिवहन मंत्री अनिल विज ने एक बार फिर राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा के भीतर राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पार्टी के भीतर अपने विरोधियों से निपटने के तरीके पर जनता की राय मांगी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि अम्बाला छावनी में कुछ लोग समानांतर भाजपा चला रहे हैं जिनको ऊपर वालों का आशीर्वाद भी प्राप्त है। कमेंट में लिखें कि हम क्या करें। पार्टी का बहुत नुकसान हो रहा है। विज हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री और पार्टी के वरिष्ठतम नेता तथा अंबाला से सात बार विधायक रहे हैं। यह पहली बार नहीं था जब विज ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर निशाना साधा हो। फरवरी में, हरियाणा भाजपा ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडोली के खिलाफ सार्वजनिक रूप से टिप्पणी करने के लिए विज को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। रिपोर्टों के अनुसार, विज ने सैनी पर पिछले विधानसभा चुनाव में प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार और कांग्रेस की बागी चित्रा सरवारा का समर्थन करके उन्हें हराने की साजिश रचने का आरोप लगाया था।

मंजूर नहीं पुरानी रिपोर्ट, कर्नाटक में 22 सितंबर से नई जाति जनगणना का एलान

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को घोषणा की कि राज्य में नए सिरे से 'जाति जनगणना' कराई जाएगी। यह प्रक्रिया 22 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच होगी और इसकी अनुमानित लागत 420 करोड़ रुपये होगी। सिद्धारमैया ने कहा कि जाति जनगणना के लिए तैयार प्रश्नावली में 60 प्रश्न होंगे और पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिक तरीके से संचालित की जाएगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने 10 अक्टूबर को पोस्ट किया राज्य में कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण कार्य 22 सितंबर से 7 अक्टूबर तक किया जाएगा। 2015 में आयोग के अध्यक्ष रहे कांतराज ने रिपोर्ट प्रस्तुत की थी। चूँकि कांतराज द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किए 10 वर्ष बीत चुके हैं, इसलिए एक नए सर्वेक्षण का निर्णय लिया गया है, और यह कार्य अब स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किया जा रहा है।

सिद्धारमैया ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस सर्वेक्षण से कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति का विवरण सामने आएगा। उन्होंने कहा कि लगभग 1,75,000 शिक्षकों का उपयोग किया जाएगा, जिनमें से प्रत्येक को 20,000 रुपये तक का पारिश्रमिक मिलेगा। यह मुख्य लागत घटक है, जिसकी राशि लगभग 325 करोड़ रुपये है। कुल मिलाकर, सर्वेक्षण के लिए 420 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, और ज़रूरत पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। 12 जून को कर्नाटक मंत्रिमंडल ने एक नए सर्वेक्षण को मंजूरी दी, जिससे 2015 में किए गए सर्वेक्षण को प्रभावी रूप से रद्द कर दिया गया।

यह कदम कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम, 1995 की धारा 11(1) पर आधारित था, जिसके अनुसार पिछड़े वर्गों की सूची की हर दस साल में समीक्षा की जानी आवश्यक है। यह निर्णय पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं द्वारा कुछ समुदायों की शिकायतों के बाद एक नए जाति-आधारित सर्वेक्षण की मांग के बाद आया है, जो महसूस कर रहे थे कि उन्हें पिछली रिपोर्ट से बाहर रखा गया था। कई समूहों, विशेष रूप से प्रमुख वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने 2015 के सर्वेक्षण की आलोचना करते हुए इसे त्रुटिपूर्ण बताया था और अधिक सटीक और अद्यतन गणना की मांग की थी।

दक्षिण की सियासत में उबालः अन्नामलाई बोले- विजय की पार्ट टाइम राजनीति नहीं चलेगी

चेन्नई। भाजपा नेता के अन्नामलाई ने कहा है कि अभिनेता-राजनेता विजय अपनी पार्टी टीवीके को डीएमके का विकल्प नहीं कह सकते, क्योंकि वह केवल सप्ताहांत में ही राजनीतिक रूप से सक्रिय होते हैं। उन्होंने दावा किया कि राजनीति में चौबीसों घंटे ऊर्जा की आवश्यकता होती है। पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने ज़ोर देकर कहा कि भाजपा, जिसके नेता और कार्यकर्ता साल भर सक्रिय रूप से मैदान में मौजूद रहते हैं, अकेले ही द्रमुक का विकल्प पेश कर सकती है।

अन्नामलाई ने संवाददाताओं से कहा कि विपक्षी दल अन्नाद्रमुक के नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी भी राज्य भर में सक्रिय रूप से घूम रहे हैं और विभिन्न जिलों में रैलियों को संबोधित कर रहे हैं। विजय केवल सप्ताहांत में ही सक्रिय होते हैं। राजनीति को गंभीरता से लेना चाहिए और इसमें रोज़ाना शामिल होना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि अगर तमिलगा वेत्री कझगम एक वैकल्पिक ताकत बनना चाहता है, तो उसे राजनीति को गंभीरता से लेना चाहिए और 24 घंटे काम करके अपने इरादे ज़ाहिर करने चाहिए।

अन्नामलाई ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा, 'लेकिन विजय शनिवार और रविवार को लोगों से मिलते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि लोगों को एनडीए पर डीएमके के विकल्प के रूप में भरोसा था। वहीं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने एएमएमके नेता टीटीवी दिनाकरन के राजग छोड़ने के फैसले को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि द्रमुक को सत्ता से बेदखल करने के इच्छुक सभी लोकतांत्रिक दल एकजुट होंगे।

बिहार कला पुरस्कार के लिए 52 कलाकारों की घोषणा, 24 सितंबर को होगा सम्मान समारोह

पटना। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग ने बिहार कला पुरस्कार योजना की घोषणा की है। इस योजना के तहत प्रदर्श कला और चित्रकला के 52 कलाकारों को सम्मानित किया जाएगा। इसमें राष्ट्रीय और लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार भी शामिल हैं। चयनित कलाकारों को कुल 27 लाख 47 हजार रुपये की सम्मान राशि मिलेगी। राज्य से 22 स्थापित, 18 नवोदित, 6 राष्ट्रीय और 6 कलाकारों का लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार देने के लिए चयन किया गया है। वर्ष 2022-23 के लिए 17 कलाकार चुने गए हैं। इनमें 6 स्थापित, 7 नवोदित, 2 राष्ट्रीय और 2 लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार हैं। वर्ष 2023-24 के लिए भी 17 कलाकार हैं। इसमें 8 स्थापित, 5 नवोदित, 2 राष्ट्रीय और 2 लाइफ टाइम अचीवमेंट शामिल हैं। इसी तरह, वर्ष 2024-25 के लिए 18 कलाकार चुने गए हैं, जिनमें 8 स्थापित, 5 नवोदित, 2 राष्ट्रीय और 2 लाइफ टाइम अचीवमेंट हैं।

24 सितंबर को होगा सम्मान समारोहः मंत्री

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री

मोतीलाल प्रसाद ने कहा कि कलाकारों का चयन लंबे समय से लंबित था। अब तीन वर्षों के सम्मान की घोषणा हो गई है। 24 सितंबर को सम्मान समारोह होगा, जिसकी जानकारी जल्द साझा की जाएगी।

विभाग के सचिव प्रणव कुमार ने बताया कि योजना में तीन वर्षों में 150 से अधिक आवेदन आए थे। इनमें से उत्कृष्ट कलाकारों का चुनाव किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि गुरु-शिष्य परंपरा योजना के तहत 31 अगस्त तक आवेदन लिए गए हैं, आने वाले दिनों में आवेदन की तारीख बढ़ाई जा सकती है।

चयनित कलाकारों के नाम

वर्ष 2022-23 के राष्ट्रीय पुरस्कार चित्रा प्रसाद, पद्मश्री मधुबनी कलाकार दुलारी देवी को मिलेंगे, जबकि लाइफ टाइम अचीवमेंट के लिए अनिल बिहारी, सुमन कुमार को देने की घोषणा हुई है। वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय पुरस्कार गायक कल्पना पटवारी, पद्मश्री बउआ देवी को और लाइफ टाइम अचीवमेंट पद्मश्री निर्मला देवी, भोजपुरी लोक गायक भरत सिंह भारती को दिया जाएगा। वर्ष 2024-25 के राष्ट्रीय पुरस्कार रत्नेश्वर प्रसाद, अशोक कुमार विश्वास को और लाइफ टाइम अचीवमेंट गोदना कलाकार शिवन पासवान, गायक भरत शर्मा व्यास को मिलेगा।

अरुणाचल के सुदूर सीमावर्ती गांवों का वीवीपी के तहत विकास होगाः खांडू

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र की प्रमुख योजना जीवंत ग्राम कार्यक्रम (वीवीपी) के तहत राज्य के सुदूरवर्ती गांवों को विकास की मुख्यधारा में लाया जा रहा है।

खांडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'परिवर्तनकारी जीवंत ग्राम कार्यक्रम के तहत, अरुणाचल प्रदेश के सुदूर गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं।' कार्यक्रम के पहले चरण के तहत किए जा रहे कार्यों का विस्तृत विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 11 सीमावर्ती जिलों में 455 प्राथमिकता वाले गावों की विकास कार्यों के लिए पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा, 'कुल 125 गांवों में 1,022 किलोमीटर लंबी 105 सड़कें बनाई जाएंगी। इसके अलावा, 156 गांवों को 104.99 करोड़ रुपये की 187 विकास परियोजनाओं का लाभ मिलेगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सुदूर इलाकों में रोशनी के लिए 6,000 से अधिक स्ट्रीट लाइट लगवा रही है और लघु एवं सूक्ष्म जलविद्युत से जुड़ी 50 परियोजनाएं स्थापित कर रही है।

खांडू ने कहा कि इस साल अप्रैल में शुरू हुए दूसरे चरण में 122 और गांव शामिल होंगे, जिनमें भारत-म्यांमा सीमा से सटे 67 और भारत-भूटान सीमा से सटे 55 गांव हैं। उन्होंने कहा, 'इन जगहों को बारहमासी सड़कें, 4जी दूरसंचार और टीवी कनेक्टिविटी के साथ बिजली की सुविधा मिलेगी।'

मुंबई ब्लास्टः बेगुनाही की सजा, 9 साल जेल, अब 9 करोड़ का मुआवजा मांगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन विस्फोट मामले में नौ साल जेल में बिताने वाले डॉ. वाहिद दीन मोहम्मद शेख ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), महाराष्ट्र राज्य मानवाधिकार आयोग (एमएसएचआरसी) और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनएमसी) से कारावास के वर्षों और पीड़ा के लिए 9 करोड़ रुपये का मुआवजा मांगा है। महाराष्ट्र पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने ट्रेन विस्फोट मामले की जाँच की थी, जिसमें व्यस्त समय के दौरान 11 मिनट के भीतर उपनगरीय लोकल ट्रेनों में सात बम विस्फोट हुए थे, जिसमें 187 लोग मारे गए थे और 800 से अधिक घायल हुए थे। 2006 में विस्फोटों के सिलसिले में तेरह लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उन पर मुकदमा चलाया गया था।

लंबी सुनवाई के बाद, विशेष अदालत ने शेख को बरी कर दिया, जबकि बाकी 12 आरोपियों को या तो मौत की सज़ा या आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई।

बॉम्बे हाई कोर्ट में अपील दायर की गई और इस साल जुलाई में सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया गया। शेख अब 46 वर्ष के हैं। अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा 2006 में, 28 वर्ष की आयु में, मुझे 7/11 विस्फोट मामले में मकोका के तहत आतंकवाद-रोधी दस्ते द्वारा झूठा फंसाया गया था। नौ वर्षों तक मैं सलाखों के पीछे रहा, जब तक कि 11 सितंबर 2015 को न्यायाधीश यतिन डी. शिंदे की माननीय विशेष अदालत ने मुझे सभी आरोपों से बरी नहीं कर दिया, मेरे खिलाफ कोई सबूत नहीं पाया। मैं जेल से बाहर आ गया, लेकिन जो वर्ष मैंने गंवाए, जो अपमान मैंने झेला, और जो दर्द मेरे परिवार ने सहा, उसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती।

उन्होंने अपने निजी और पारिवारिक जीवन पर कारावास के प्रभाव का वर्णन किया। उन वर्षों के दौरान, मैंने अपनी जवानी के सबसे महत्वपूर्ण वर्ष, आज़ादी और अपनी गरिमा खो दी। मुझे हिरासत में बेरहमी से प्रताड़ित किया गया, जिससे मुझे ग्लूकोमा और लगातार शरीर में दर्द जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ हो गईं। जब मैं जेल में था, मेरे पिता का निधन हो गया, मेरी माँ का मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ गया, और मेरी पत्नी को हमारे बच्चों की परवरिश के लिए अकेले संघर्ष करना पड़ा।

मध्य रेल के सोलापुर मंडल के टिकट जाँच कर्मचारियों को महाकुंभ मेला 2025 में उत्कृष्ट सेवा के लिए सम्मानित किया गया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दुनिया के सबसे बड़े आयोजनों में से एक, प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ मेले में मध्य रेल के सोलापुर मंडल के कर्मचारियों ने समर्पित भागीदारी की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के प्रबंधन में सहायता के लिए सोलापुर से 17 टिकट जाँच कर्मचारियों की एक टीम को 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 की अवधि के दौरान उत्तर मध्य रेल के प्रयागराज मंडल में तैनात किया गया था।

सोलापुर की टीम ने न केवल प्रभावी भीड़ प्रबंधन में योगदान दिया, बल्कि सुचारू यात्री सुविधाओं को सुनिश्चित करने में भी योगदान दिया, जो भारतीय रेल के मानवीय स्पर्श और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके अनुकरणीय प्रयासों के सम्मान में, प्रयागराज मंडल द्वारा उनकी उत्कृष्ट सेवा के लिए टीम को सम्मानित किया गया।

वापसी पर, टीम ने सोलापुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री योगेश पाटिल से मुलाकात की और महाकुंभ के दौरान सेवा के अपने अनुभव साझा किए। श्री योगेश पाटिल ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, 'महाकुंभ में हमारे टिकट जाँच कर्मचारियों द्वारा प्राप्त अनुभव, महापरिनिर्वाण दिवस, आषाढ़ी एकादशी, कार्तिकी एकादशी और सिंहस्थ कुंभ जैसे बड़े पैमाने पर होने वाले आयोजनों के दौरान मध्य रेल के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे। उनका योगदान भक्ति और आस्था के क्षणों में समाज की सेवा करने की रेलवे की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'

सोलापुर मंडल को अपने कर्मचारियों पर गर्व है, जिनकी प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि विशाल समारोहों के दौरान, रेलवे मानवता की देखभाल, सुरक्षा और सेवा का प्रतीक बना रहे।

पश्चिम रेलवे पर रविवार को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे के बोरीवली एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच रात्रिकालीन ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा (शनिवार/रविवार) अर्थात 13 / 14 सितंबर, 2025 की मध्यरात्रि को बोरीवली एवं गोरेगाँव स्टेशनों के बीच अप तथा डाउन स्लो लाइनों पर 00.30 बजे से 04.30 बजे तक चार घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान अप स्लो लाइन की ट्रेनों को बोरीवली एवं अंधेरी स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर चलाने के लिए डायवर्ट किया जाएगा। परिणामस्वरूप, ये ट्रेनें प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण राम मंदिर स्टेशन पर नहीं रुकेंगी। ब्लॉक के कारण, कुछ अप एवं डाउन ट्रेनें निरस्त रहेंगी तथा कुछ ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त व्यवस्थाओं पर ध्यान दें।

अतः पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर रविवार, 14 सितंबर, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

मुंबई शहर जिला स्तरीय महिला लोकतंत्र दिवस 15 सितंबर को

मुंबई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला स्तर पर महिला लोकशाही दिवस का आयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य समस्याग्रस्त और पीड़ित महिलाओं को अपनी समस्याएँ उठाने और अपने अधिकारों की रक्षा के लिए एक मंच प्रदान करना है। मुंबई शहर महिला एवं बाल विकास अधिकारी शोभा शेलार ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी दी है कि 15 सितंबर को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक मुंबई शहर के जिला कलेक्टर कार्यालय में जिला स्तरीय महिला लोकतंत्र दिवस का आयोजन किया जाएगा। शिकायत दर्ज करने के लिए, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय, 117, बी.बी.डी. चॉल, प्रथम तल, वर्ली, मुंबई में आवेदन करना होगा। यह जानकारी मुंबई शहर की महिला एवं बाल विकास अधिकारी शोभा शेलार ने दी है।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम में नवी मुंबई नगर निगम के शिक्षकों और मेधावी छात्रों का सम्मान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भारत के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती 5 सितंबर को 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाई जाती है। इसी क्रम में, 11 सितंबर को नवी मुंबई नगर निगम में शिक्षकों के योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए, नेरुल स्थित अग्री कोली सांस्कृतिक केंद्र में एनएमयूएमपीए स्कूल के शिक्षकों का शिक्षक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाएँ, किंडरगार्टन शिक्षक, सहायक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत ईशास्तवन और स्वागत गीत से हुई। महाराष्ट्र राज्य के वन मंत्री गणेश नाइक के पावन करकमलों द्वारा अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार की उपस्थिति में शिक्षकों और छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मंत्री ने शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत शिक्षण सामग्री की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनकी सराहना की।

इस अवसर पर कक्षा 5वीं और 8वीं की छात्रवृत्ति परीक्षा में प्रावीण्य सूची में आने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया और प्रावीण्य सूची में आने वाले छात्रों को पढ़ाने वाले शिक्षकों की भी प्रशंसा की गई। इसी प्रकार, माध्यमिक विद्यालय परित्याग परीक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और प्रत्येक विषय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों एवं विद्यालयों को पदक एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग की उपायुक्त संघरत्ना खिल्लारे, सामाजिक विकास विभाग की उपायुक्त नयना सासने, अतिक्रमण विभाग की उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़, खेल एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की उपायुक्त अभिलाषा म्हात्रे, शिक्षा अधिकारी सुलभा बरघरे उपस्थित रहे और शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं।

बाल वैज्ञानिक प्रतियोगिता में, तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री द्वारा विशेष पुरस्कार प्राप्त नामुम्पा स्कूल क्रमांक 18, सानपाड़ा की छात्रा सुशुभम कनोजिया को भी पदक एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए, गणेश नाइक ने शिक्षकों के योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और उनके भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। इसी प्रकार, अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार ने शिक्षकों से बातचीत की।

इस कार्यक्रम में, स्कूल क्रमांक 42, घनसोली द्वारा घनसोली पैटर्न छात्रवृत्ति पर एक प्रस्तुति दी गई। स्कूल क्रमांक 55, कातकरी पाड़ा द्वारा 'मुख्यमंत्री माझी सुंदर शाला' और विभिन्न गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी गई। स्कूल क्रमांक 36 के शिक्षक प्रशांत गाडेकर ने सिंगापुर की शिक्षा प्रणाली के बारे में जानकारी दी। स्कूल क्रमांक 31, कोपरखैराने के पिछवाड़े के बगीचे के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। शिक्षकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी बड़े उत्साह के साथ आयोजित किए गए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में चार स्कूलों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पश्चिम रेलवे

एयर कंडीशनिंग के लिए परामर्श सेवाएँ

वरिष्ठ डीईई/पी/बीसीटी, निविदा संख्याः ईएल-4-2-379-डब्ल्यूए-36 (आर-3), दिनांक 09.09.2025, (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करते हैं। **कार्य और स्थानः चर्चगेट** - पश्चिम रेलवे मुख्यालय के जीएलओ, एनेक्सी बिल्डिंग और चर्चगेट स्टेशन भवन की एयर कंडीशनिंग के लिए परामर्श सेवाएँ। **कार्य की अनुमानित लागतः** 19,47,000/-। **ईएमडीः** 38,900/-। **जमा करने की तिथि और समयः** 06.10.2025, 15:00 बजे तक। **खुलने की तिथि और समयः** 06.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी वेब लिए वृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0585

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

गहन रासायनिक सफाई कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक, कैरिज मरम्मत कार्यशाला, पश्चिम रेलवे, एन. एम. जोशी मार्ग, लोअर परेल, मुंबई 400013, निविदा सूचना संख्याः WR-PL-ME-EST-648633, दिनांकः 09.09.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** कार्यक्षेत्र के अनुसार, लोअर परेल स्थित कैरिज कार्यशाला में, पीओएच/एसएस-I/एसएस-II/एसएस-III अनुसूची के अंतर्गत आने वाले और जाने वाले रेलवे डिब्बों की गहन सफाई, जिसमें डिब्बों के शौचालयों, एसएस शौचालय पैन, पश्चिमी शैली के कमोड, एसएस वॉल प्रोटेक्टर की पर्यावरण अनुकूल रासायनिक सफाई शामिल है। **विज्ञापित लागतः** 1,62,57,060/- **बयाज राशिः** 2,31,300/- **ई-बोली ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि और समयः** 01.10.2025 को 14:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0584

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न पुलों के रखरखाव एवं मरम्मत कार्य

उप मुख्य अभियंता (पुल-लाइन)-दादर, पश्चिम रेलवे, ई-निविदा सूचना संख्याः DYCE-BR-DDR-2025-14, दिनांकः 10.09.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** मुंबई सेंट्रल मंडल के एसएसई/बीआर/नंदुरबार के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न पुलों और सड़क ऊपरी पुलों के रखरखाव और लघु मरम्मत हेतु वर्ष 2025-26 जोन-III पुल की अनुसूचित। **कार्य की अनुमानित लागतः** 54,08,061.73 **अग्रिम जमा राशिः** 1,08,200/- **जमा करने की तिथि और समयः** 08.10.2025, 15:00 बजे तक। **खोलने की तिथि और समयः** 08.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी वेब लिए वृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0590

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन

वरिष्ठ मंडल सामग्री प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल, निविदा सूचना संख्याः 81255903, दिनांक 10.09.2025 आमंत्रित करते हैं। **कार्य और स्थानः** इलेक्ट्रिक पॉइंट मशीन, नॉन-ट्रेलेबल, आंतरिक लॉकिंग, 220 मिमी थ्रो, IP67 मोटर के साथ, न्यूनतम AC इम्युनिटी 400 VAC। मात्रा 72। **कार्य की अनुमानित लागतः** 86,78,051.28/- **ब्याज राशिः** 1,73,560/-। **जमा करने की समय और तिथिः** 10.10.2025, सुबह 11:00 बजे तक। **खोलने की समय और तिथिः** 10.10.2025 को सुबह 11:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 0586

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न पुलों का रखरखाव एवं मरम्मत कार्य

उप मुख्य अभियंता (पुल-लाइन)-दादर, पश्चिम रेलवे, ई-निविदा सूचना संख्याः DYCE-BR-DDR-2025-12, दिनांकः 10.09.2025 आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** वर्ष 2025-26 के लिए जोन-I पुलः मुंबई मंडल के SSE/BR/भयंदर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न पुलों का अनुसूचित रखरखाव एवं लघु मरम्मत कार्य। **कार्य की अनुमानित लागतः** 53,99,744.29/- **ब्याज राशिः**1,08,000/- **जमा करने की तिथि एवं समयः** 08.10.2025, 15:00 बजे तक। **खोलने की तिथि एवं समयः** 08.10.2025 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी वेब लिए वृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 0588

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

नमुम्पा दिंडी प्रतियोगिता और एकल अभिनय प्रतियोगिता का अंतिम दौर 15 सितंबर को विष्णुदास भावे रंगमंच पर आयोजित होगा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई नगर निगम ने हमेशा विभिन्न कला, खेलकूद और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन करके अपने नागरिकों की प्रतिभा और खेलकूद को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। नवी मुंबई क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले सभी स्कूली छात्रों और उनकी प्रतिभा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, नवी मुंबई नगर निगम ने आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में खेलकूद और सांस्कृतिक विभाग के माध्यम से 'अंतर-विद्यालय दिंडी प्रतियोगिता और एकल अभिनय प्रतियोगिता 2025-26' का आयोजन किया है।

इन प्रतियोगिताओं का प्रारंभिक दौर हाल ही में 10 सितंबर को वाशी स्थित विष्णुदास भावे रंगमंच पर बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इसमें एनएमएमयू के अंतर्गत आने वाले स्कूलों के 75 छात्रों ने एकालाप प्रतियोगिता में और एनएमएमयू के अंतर्गत आने वाले स्कूलों के 1350 से अधिक छात्रों ने दिंडी प्रतियोगिता में बड़े उत्साह के साथ

भाग लिया।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा शुरू हो रहा है और सुपर स्वच्छ लीग में स्थान पाने वाले नवी मुंबई शहर ने इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभाते हुए इन दोनों प्रतियोगिताओं में स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता को प्राथमिकता दी है। इनमें - एकल-उपयोग प्लास्टिक और अपशिष्ट प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और पुनर्चक्रण, स्वच्छता अपनाएँ - बीमारियों को दूर भगाएँ, व्यसन और स्वास्थ्य, मोबाइल विज्ञान है या हथियार? - जैसे विषय दिए गए थे। इन विषयों पर छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ प्रभावी प्रस्तुतियाँ दीं और अपने प्रदर्शन के माध्यम से रचनात्मकता और सामाजिक जागरूकता का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। दिंडी प्रतियोगिता के प्रारंभिक दौर का निर्णायक जाने-माने अभिनेता श्री अधोक्षज करहाड़े ने किया और एक-चरित्र अभिनय प्रतियोगिता के प्रारंभिक दौर का निर्णायक लेखक-निर्देशक श्री सिद्धांत जाधव ने किया। निर्णायकों ने सभी प्रतिभागी प्रस्तुतियों की समीक्षा की और अपने परिणाम दिए, जिसके अनुसार दिंडी प्रतियोगिता के अंतिम दौर के लिए 14 स्कूलों का चयन किया गया, और एक-चरित्र अभिनय प्रतियोगिता के लिए 17 प्रतिस्पर्धी स्कूलों का चयन किया गया।

इस प्रतियोगिता का अंतिम चरण और पुरस्कार वितरण समारोह 15 सितंबर को सुबह 11 बजे वाशी स्थित विष्णुदास भावे नाट्यशाला में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। अंतिम चरण में चयनित विद्यार्थियों से और भी बेहतर और प्रभावी प्रदर्शन की अपेक्षा की गई है। अभिभावकों, शिक्षकों और नागरिकों ने इस प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया। इस बात पर संतोष व्यक्त किया गया कि नवी मुंबई मनपा की ऐसी पहल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान कर रही है।

नवी मुंबई मनपा क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, नागरिकों से अपील कर रहा है कि वे दिंडी प्रतियोगिता और एकालाप अभिनय प्रतियोगिता के अंतिम चरण और पुरस्कार वितरण समारोह में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ।

हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा और परामर्श हेतु 'वन स्टॉप सेंटर' कार्यरत

मुंबई।महिला एवं बाल विकास विभाग महिलाओं के समग्र विकास हेतु विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा है, जिससे महिलाओं को सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता, मनोवैज्ञानिक सहायता और कानूनी सहायता प्रदान की जा सके। महिलाओं के विरुद्ध सभी प्रकार की हिंसा के विरुद्ध तत्काल सहायता प्रदान करने हेतु 'वन स्टॉप सेंटर' राज्य भर में कार्यरत है और वर्तमान में 36 जिलों में 55 केंद्र कार्यरत हैं।

ये केंद्र शारीरिक एवं मानसिक शोषण, आर्थिक उत्पीड़न और सामाजिक उपेक्षा की शिकार महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी सलाह, चिकित्सा सहायता, पुलिस सहायता,

मनोचिकित्सा एवं परामर्श, अस्थायी आश्रय और पुनर्वास हेतु सरकारी योजनाएँ प्रदान करते हैं। पीड़ित महिलाओं को अधिकतम पाँच दिनों के लिए अस्थायी आवास प्रदान किया जाता है।

इस योजना के अंतर्गत, हिंसा पीड़ित महिलाओं के आवास निर्माण, कर्मचारियों के पारिश्रमिक, बीमा और आकस्मिक व्यय के लिए केंद्र सरकार से 100 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध है। नासिक, अहिल्यानगर, पुणे, सतारा, नांदेड़, अकोला, अमरावती, नागपुर, जलगाँव, चंद्रपुर, यवतमाल और ठाणे में नए केंद्र शुरू किए गए हैं। शेष 14 जिलों में केंद्रों के लिए निर्माण प्रक्रिया चल रही है और वर्तमान में जिला कलेक्टर द्वारा उपलब्ध कराए गए स्थान पर सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं।

जनवरी 2025 से अब तक राज्य में 'वन स्टॉप सेंटर' के माध्यम से 7,063 महिलाओं को सहायता और परामर्श दिया गया है। इसमें घरेलू हिंसा, संपत्ति विवाद, यौन उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव, साइबर अपराध और अन्य मामले शामिल हैं। इन केंद्रों के माध्यम से प्रभावित महिलाओं को नया जीवन जीने के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने का कार्य किया जा रहा है।

पश्चिम रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य - प्रबंधक, मुंबई सेंट्रल मंडल, पश्चिम रेलवे मंडल रेल प्रबंधक, वाणिज्य विभाग, एनएफआर अनुभाग मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400 008।

कार्य - मुंबई मंडल में विभिन्न एनएफआर मीडिया के माध्यम से विज्ञापन प्रदर्शित करना।

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVTM25-27	01-10-25 14:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	**MSS-BCT-NVS-PrKiosk-50-25-1** (Misc-Static-Services - Promotional Kiosk)	नवसारी स्टेशन (एनवीएस) पर प्रमोशनल कियोस्क / उत्पाद प्रदर्शन के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के अनुबंध के लिए 3 वर्ष की अवधि के लिए ई-नीलामी।	1096	01-10-25 14:30:00
2	**MSS-BCT-CCG-MedStn-73-25-1** (Misc-Static- Services - Medical facilities at station)	चर्चगेट (सीसीजी) रेलवे स्टेशन पर आपातकालीन चिकित्सा कक्ष के माध्यम से 5 वर्षों की अवधि के लिए चौबीसों घंटे चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना।	1826	01-10-25 14:40:00

नीलामी सूची क्रमांक	नीलामी प्रारंभ (सभी लॉट)
MMCT-ADVT-25-36	01-10-25 15:00:00

अ. क्र.	लॉट नं0	स्थान / क्षेत्र	दिन	ई-नीलामी की समाप्ति तिथि और समय
1	**ADVT-BCT-VAPI-OH-422-25-1** (Advertising - Out of Home)	वापी स्टेशन पर लेवल क्रॉसिंग संख्या 80 स्पेशल के पास 6'(चौड़ाई) X 10'(ऊंचाई) क्षेत्रफल 120 वर्ग फीट के 02	1826	01-10-25 15:30:00
	एलईडी यूनिपोल की स्थापना के माध्यम से विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए 05 वर्ष की अवधि के लिए थोक अधिकार।			
2	**ADVT-BCT-MMCT-OH-430-25-1** (Advertising - Out of Home)	मुंबई सेंट्रल (एमएमसीटी) स्टेशन पूर्व में 05 वर्ष की अवधि के लिए 28 एलईडी यूनिपोल की स्थापना के माध्यम से विज्ञापन के प्रदर्शन के लिए थोक अधिकार।	1826	01-10-25 15:40:00
3	**ADVT-BCT-NDB-OSN-417-25-1** (Advertising - On Station Premise (Non-Digital))	नंदुरबार (एनडीबी) स्टेशन के लिए 3 वर्ष की अवधि के लिए थोक विज्ञापन अधिकार।	1096	01-10-25 15:50:00

संपर्क विवरणः लैंडलाइन नंबरः 02267644212. **ईमेल आईडीः** acmadvtgbct@gmail.com **नोटः** संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट (www.ireps.gov.in) पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें। लॉटवार विवरण नीचे दिए गए कैटलॉग में उपलब्ध हैं। 0587

Like us on: facebook.com/WesternRly | Follow us on: twitter.com/WesternRly

टाटा टेक्नोलॉजी द्वारा रामटेक में कौशल विकास केंद्र; मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नवाचार सहित विभिन्न प्रशिक्षण सुविधाएँ, आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित जनशक्ति का सृजन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के माध्यम से रामटेक में कौशल विकास केंद्र की स्थापना के संबंध में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड की ओर से परियोजना प्रमुख सुशील कुमार और महाराष्ट्र सरकार की ओर से ज़िला कलेक्टर डॉ. विपिन इटनकर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

नागपुर ज़िले के रामटेक में टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के माध्यम से निजी भागीदारी से एक कौशल विकास केंद्र स्थापित करने के लिए रामगिरी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, वित्त एवं योजना राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल, परियोजना समन्वयक प्रीतम गंजेवार और अन्य उपस्थित थे।

टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के माध्यम

से निजी भागीदारी से रामटेक में आविष्कार, नवाचार, ऊष्मायन और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह परियोजना छात्रों को अत्याधुनिक नवाचारों पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने और औद्योगिक उत्पादन को बढ़ावा देने में उपयोगी होगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हर साल 3,000 छात्रों को प्रशिक्षित करने की सुविधा उपलब्ध होगी। इस समझौते से ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों को अत्याधुनिक तकनीक में प्रशिक्षण देने की सुविधाएँ उपलब्ध होंगी।

रामटेक में यह परियोजना, जिसमें नवाचार और अनुसंधान प्रशिक्षण सुविधाएँ शामिल हैं, टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड और महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से स्थापित की जाएगी। इस कौशल विकास केंद्र में नवाचार, डिज़ाइन और ऊष्मायन सहित नौ प्रकार की प्रशिक्षण सुविधाएँ होंगी। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड द्वारा गढ़चिरौली और चंद्रपुर के साथ-साथ कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार, असम, गोवा, उत्तर प्रदेश और तेलंगाना में पहले ही कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं।

कौशल विकास केंद्र 115 करोड़ रुपये की परियोजना है जिसमें भवन निर्माण और प्रशिक्षण सुविधाएँ शामिल हैं, जिसमें से 98 करोड़ रुपये टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड द्वारा प्रदान किए जाएँगे। यह परियोजना कुशल जनशक्ति की बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने को प्राथमिकता देगी और विनिर्माण क्षेत्र में आवश्यक इंजीनियर, ऑपरेटर, तकनीशियन और जनशक्ति तैयार करेगी। इस अवसर पर टाटा टेक्नोलॉजी के परियोजना प्रमुख सुशील कुमार ने कहा कि यह परियोजना नवाचार और छात्रों व उद्योगपतियों के कौशल विकास के माध्यम से उद्योग और उद्यमियों में कुशल संसाधन तैयार करेगी।

शिंदे शिवसेना ने संजय राउत पर देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया, तत्काल कार्रवाई की मांग की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने मुंबई पुलिस आयुक्त देवेन भारती को एक ज्ञापन सौंपकर शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के खिलाफ कथित भड़काऊ बयानों के लिए कड़ी कार्रवाई की मांग की। भारती से मिले शिवसेना प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि राउत ने नेपाल में हाल ही में हुई हिंसा का एक वीडियो प्रसारित करके और भारत में भी ऐसी ही अशांति होने की चेतावनी देकर अराजकता भड़काने और अप्रत्यक्ष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमकी देने का प्रयास किया है।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, ऐसी टिप्पणियां न केवल भड़काऊ हैं, बल्कि समाज में भय और अस्थिरता पैदा करने के इरादे से भी हैं। शिवसेना के राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा कि आज एकनाथ शिंदे के निर्देश पर शिवसेना के शीर्ष नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल मुंबई पुलिस कमिश्नर से मिला और यूबीटी सांसद संजय राउत के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विपक्षी दलों द्वारा देश भर में एक बड़ी और

बेहद खतरनाक साजिश रची जा रही है... यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और खतरनाक है कि मुंबई से लेकर दिल्ली तक के नेता भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं। इसलिए, हमने मुंबई के पुलिस कमिश्नर से ऐसे तत्वों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने की अपील की है।

वहीं, शिवसेना नेता संजय निरुपम ने नेपाल में जारी नागरिक अशांति के सिलसिले में सोशल मीडिया पर "देश-विरोधी" टिप्पणी करने के लिए शिवसेना (उबाठा) के नेता संजय राउत के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की मांग की। वर्सोवा पुलिस को लिखे एक पत्र में, निरुपम ने आरोप लगाया कि राउत ने कहा था कि इसी तरह की अशांति भारत में भी फैल सकती है। निरुपम ने कहा, "इस तरह के बयान का मकसद नागरिकों में भय पैदा करना है और ऐसी टिप्पणी देश के हितों के खिलाफ बयानबाजी के समान है। राउत की टिप्पणी असंवैधानिक, खतरनाक और अस्थिरता को बढ़ावा देने वाली है। पुलिस को राउत के खिलाफ उनकी देश-विरोधी टिप्पणी के लिए आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए।"

मुंबई एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग 75 यात्रियों की अटकी जान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

गुजरात के कांडला से स्पाइसजेट के एक विमान को शुक्रवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी, जब उड़ान भरते समय विमान का बाहरी पहिया रनवे पर गिर गया। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि विमान मुंबई में सुरक्षित उतर गया और किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। विमान कांडला हवाई अड्डे से मुंबई के लिए उड़ान भरी थी। विमान का बाहरी पहिया विमान के शुरुआती बिंदु के रनवे पर देखा गया। घटना के मद्देनजर मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति घोषित कर दी गई। प्रवक्ता ने आगे कहा कि 12 सितंबर को, कांडला से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट Q400 विमान का एक बाहरी पहिया उड़ान भरने के बाद रनवे पर पाया गया। विमान ने मुंबई की अपनी यात्रा जारी रखी और सुरक्षित उतर गया। सुचारू लैंडिंग के बाद, विमान अपनी शक्ति से टर्मिनल तक पहुँचा और सभी यात्री सामान्य रूप से उतर गए। कांडला से आ रहा एक विमान तकनीकी खराबी की सूचना मिलने के बाद 12 सितंबर 2025 को दोपहर 3:51 बजे छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर आपातकालीन लैंडिंग कर रहा था।

इसमें कहा गया कि एहतियात के तौर पर पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया था। विमान रनवे 27 पर सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं। कुछ ही देर बाद सामान्य परिचालन फिर से शुरू

हो गया। मुंबई से आ रही एयर इंडिया की उड़ान ने दिल्ली में लैंडिंग रद्द कर दी। मुंबई से आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान ने तकनीकी कारणों से दिल्ली हवाई अड्डे पर लैंडिंग रद्द कर दी। उन्होंने बताया कि AI 2910 के रूप में संचालित विमान लगभग दस मिनट बाद अपने दूसरे प्रयास में सुरक्षित रूप से उतर गया। विमान में सवार एक यात्री ने बताया कि पायलट ने उन्हें बताया था कि तकनीकी खराबी के कारण पहली लैंडिंग संभव नहीं थी।

डीजी प्रशांत बुरडे, और रेलवे पुलिस आयुक्त एम राकेश कलासागर के कड़क निर्देश

वरिष्ठों की उपस्थिति में फोटो/वीडियो कर यात्री की बैग चेक-नहीं तो होगी रेलवे पुलिस पर कड़ी कार्रवाई

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। रेलवे पुलिस द्वारा लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों से जबरन वसूली करने का मामला सामने आने के बाद, रेलवे पुलिस आयुक्त एम राकेश कलासागर ने अब रेलवे पुलिस को निर्देश दिया है कि वे वरिष्ठों की मौजूदगी में वीडियो बनाने के बाद ही बैग की जांच करें। उन्होंने आश्वासन दिया है कि ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में मुंबई में साढ़े चार हजार पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए गए हैं। पिछले 5 महीनों में, इस तरह की वसूली के मामलों में 13 रेलवे पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इसमें एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक भी शामिल है। बाद में, उनका निलंबन कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया गया और उनके खिलाफ खातावार जांच शुरू कर दी गई है। उन्हें बांद्रा में दूसरी जगह स्थानांतरित कर दिया गया है। निलंबित पुलिसकर्मियों पर मुंबई के रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों से पैसे वसूलने का आरोप है।

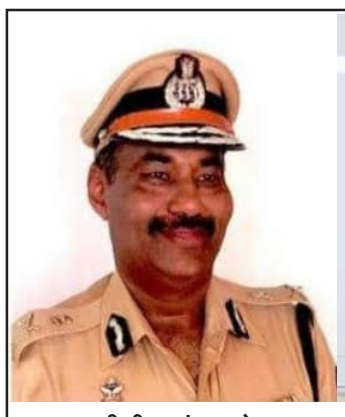

डीजी प्रशांत बुरडे

रेलवे पुलिस आयुक्त राकेश कलासागर

वे लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को निशाना बना रहे थे। बताया जा रहा है कि मुंबई सेंट्रल, दादर, कुर्ला, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली, ठाणे, कल्याण और पनवेल जैसे बड़े स्टेशनों पर इस तरह की हरकतें हो रही थीं। चेकपॉइंट पर यात्रियों को रोका जाता था और उनके पास मौजूद नकदी या आभूषणों पर संदेह व्यक्त किया जाता था। इसके बाद, उन्हें प्लेटफॉर्म पर एक ऐसे कमरे में ले जाया जाता था जहाँ कोई कैमरा नहीं था और यात्रियों से कहा जाता था कि वे साबित करें कि पैसे या आभूषण उनके हैं। इसलिए अब कमिश्नर ने यह फैसला लिया है। हालाँकि, 1 सितंबर को बांद्रा टर्मिनस में हुई इस घटना के बाद, मीडिया में इस मामले की चर्चा होने के बाद रेलवे पुलिस विभाग जागा है। इस बदनामी को रोकने के लिए यह निर्देश दिया गया है। अब यात्रियों या संदिग्धों के बैग की जाँच करते समय, यह केवल एक वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक की उपस्थिति में और सीसीटीवी की निगरानी में किया जाएगा। इतना ही नहीं, यह भी निर्देश दिया गया है कि इसकी वीडियोग्राफी भी की जाएगी।

उचित कारण के बिना जांच नहीं

पुलिस को निर्देश दिया गया है कि अब से रेलवे स्टेशनों या टर्मिनलों पर किसी भी रेल यात्री के सामान या टिकट की बिना उचित कारण के जांच नहीं की जानी चाहिए। इसके साथ ही यह भी आदेश दिया गया है कि ड्यूटी निष्पक्ष रूप से की जाए।

एक निरीक्षण रजिस्टर रखकर निरीक्षण का विस्तृत रिकॉर्ड रखा जाएगा। इस समय, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षकों और उनके सहायकों के लिए अपनी वर्दी पर नेमप्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। यह भी निर्देश दिया गया है कि रेलवे स्टेशनों पर पुलिस सीसीटीवी न होने वाले स्टेशनों पर आरपीएफ कक्षों और रेलवे कार्यालयों का उपयोग नहीं करेगी। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि पूछताछ या निरीक्षण केवल पुलिस थानों और पुलिस चौकियों पर ही किया जाए। इस बीच, यदि निरीक्षण के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक पाया जाता है, तो आगे की कानूनी प्रक्रियाओं को लागू करके की गई कार्रवाई के बारे में तुरंत संबंधित वरिष्ठों को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। यदि निरीक्षण के दौरान अत्यधिक नकदी पाई जाती है, तो कानूनी प्रक्रियाओं को लागू करके संदिग्धों के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जानी चाहिए। इसमें वीडियो शूटिंग, संबंधित सामान को जब्त करने की प्रक्रिया, संबंधित सामान को सुरक्षित रखने की प्रक्रिया, संबंधित विभाग के साथ पत्राचार, स्टेशन डायरी दर्ज करना और तुरंत वरिष्ठों को सूचित करना शामिल है। यह भी कहा गया कि रेलवे पुलिस महानिदेशक के कार्यालय ने रेलवे स्टेशनों पर संदिग्ध बैग या सामान की जांच करने की प्रक्रिया के बारे में भी निर्देश दिए हैं।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025

मध्य रेल्वे, भुसावल मंडल में रैली, संगोष्ठी एवं प्रतियोगिताओं के माध्यम से ईमानदारी व पारदर्शिता का संदेश

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भुसावल मंडल, मध्य रेल्वे द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 के अंतर्गत दिनांक 09 से 11 सितम्बर 2025 तक विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनका उद्देश्य सार्वजनिक सेवा में ईमानदारी, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना रहा।

09 सितम्बर 2025 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय सभागार में सतर्कता जागरूकता, डी.ए.आर. एवं सी.आई.सी. पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसी दिन स्लोगन लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने सतर्कता जागरूकता पर रचनात्मक नारे लिखे। साथ ही, हस्ताक्षर अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें मंडल रेलवे प्रबंधक कार्यालय प्रवेश द्वार पर अधिकारियों व कर्मचारियों ने सतर्कता मूल्यों को बनाए रखने की शपथ स्वरूप हस्ताक्षर किए। इन सभी आयोजनों में श्री नीरज कुमार दोहरे, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक, मध्य रेल्वे, श्री पुनीत अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक भुसावल एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी, उप मुख्य सतर्कता अधिकारीगण, शाखा अधिकारी तथा मंडल कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

11 सितम्बर 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत सतर्कता जागरूकता रैली का आयोजन मंडल रेल कार्यालय, भुसावल परिसर में किया गया। इस रैली को श्री नीरज कुमार दोहरे, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक मध्य रेल्वे द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह रैली मंडल कार्यालय परिसर से शुरू होकर वहीं सम्पन्न हुई। इसमें मुख्य सतर्कता अधिकारी, (इंजीनियरिंग), उप मुख्य सतर्कता अधिकारी, वरिष्ठ शाखा अधिकारी, रेल कर्मचारी, रेलवे विद्यालयों के शिक्षक व विद्यार्थी तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारी उत्साहपूर्वक शामिल हुए।

उसी दिन मंडल रेलवे प्रबंधक कार्यालय, भुसावल में सतर्कता जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री नीरज कुमार दोहरे, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक मध्य रेल्वे; श्री प्रदीप पॉल, मुख्य सतर्कता अधिकारी (इंजीनियरिंग); श्री चंद्रकांत कदम, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी; श्री प्रदीप हिराडे, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (ट्रैफिक); श्री सुनील बैरवा, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (इलेक्ट्रिकल); एवं श्री मनोज भावसार, वरिष्ठ सतर्कता अधिकारी उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में वक्ताओं ने सतर्कता के विभिन्न पहलुओं, विधिक प्रावधानों एवं प्रशासनिक ईमानदारी सुनिश्चित करने के सर्वोत्तम तरीकों पर अपने विचार रखे। श्री पुनीत अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक भुसावल ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पारदर्शिता एवं कार्यकुशलता को मजबूत बनाने में सतर्कता की महत्ता पर बल दिया।

संगोष्ठी का समापन इंटरैक्टिव सेशन से हुआ, जिसमें उपस्थित प्रतिभागियों के प्रश्नों के उत्तर पैनल द्वारा दिए गए।

इस प्रकार, विजिलेंस अवेयरनेस वीक 2025 के अंतर्गत आयोजित सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों में ईमानदारी, पारदर्शिता और सामूहिक उत्तरदायित्व की संस्कृति को प्रोत्साहित करना रहा।

रविवार को मध्य रेलवे के मुंबई मंडल (मुख्य लाइन) पर मेगा ब्लॉक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल, मुंबई मंडल रविवार, 14.09.2025 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए अपने मुख्य लाइन उपनगरीय खंडों, ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच 5वीं और 6वीं लाइन पर मेगा ब्लॉक संचालित करेगा।

ब्लॉक खंड और समय :

ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच 5वीं और 6वीं लाइन पर सुबह 9.00 बजे से दोपहर 13.00 बजे तक ब्लॉक।

अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

निम्नलिखित अप मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को कल्याण और ठाणे स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर मार्ग परिवर्तन किया जाएगा और ये ट्रेनें अपने गंतव्य पर 10 से 15 मिनट देरी से पहुँचेंगी।

11010 पुणे-सीएसएमटी सिंहगढ़ एक्सप्रेस 17611 हजूर साहिब नांदेड़-सीएसएमटी राज्यरानी एक्सप्रेस 12124 पुणे-सीएसएमटी डेक्कन क्वीन 12134 मंगलुरु जंक्शन-सीएसएमटी एक्सप्रेस 13201 पटना-एलटीटी एक्सप्रेस 17221 काकीनाडा-एलटीटी एक्सप्रेस 12126 पुणे-सीएसएमटी प्रगति एक्सप्रेस 12140

नागपुर-सीएसएमटी सेवाग्राम एक्सप्रेस 22160 चेन्नई-सीएसएमटी एक्सप्रेस 22226 सोलापुर-सीएसएमटी वंदे भारत एक्सप्रेस 12168 बनारस-एलटीटी एक्सप्रेस 12321 हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस 12812 हटिया-एलटीटी एक्सप्रेस 11014 कोयंबटूर-एलटीटी एक्सप्रेस डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन निम्नलिखित डाउन मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों को ठाणे और कल्याण के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा और 10 से 15 मिनट देरी से रवाना किया जाएगा। 11029 सीएसएमटी-कोल्हापुर कोयना क्सप्रेस 11055 एलटीटी-गोरखपुर गोदान एक्सप्रेस 11061 एलटीटी-जयनगर एक्सप्रेस 16345 एलटीटी-तिरुवनंतपुरम नेत्रवती एक्सप्रेस मेमू सेवाओं का शॉर्ट टर्मनेशन / शॉर्ट अरिजनेशन वसई रोड से सुबह 9.50 बजे प्रस्थान करने वाली 61003 वसई रोड-दिवा मेमू कोपर में शॉर्ट टर्मनेट की जाएगी । 61004 दिवा-वसई रोड मेमू कोपर से शॉर्ट अरिजनेट किया जाएगा और कोपर से सुबह 11.45 बजे प्रस्थान करेगी।

हार्बर और ट्रांस-हार्बर लाइन पर कोई मेगा ब्लॉक नहीं होगा (कुर्ला-तिलकनगर सेक्शन पर ट्रैफ़िक ब्लॉक को छोड़कर) ये रखरखाव मेगा ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहन करें।

नागपुर में स्कूल वैन और बस की टक्कर में चालक की मौत, चार बच्चे घायल

नागपुर । महाराष्ट्र के नागपुर शहर में शुक्रवार को एक फ्लाईओवर पर एक स्कूल वैन और बस की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार बच्चे घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब साढ़े आठ बजे मनकापुर फ्लाईओवर पर हुई, जब स्कूल वैन गलत लेन में चली गई और दूसरे स्कूल की खाली बस से टकरा

गई। उन्होंने बताया कि वैन चालक ऋतिक कनौजिया (24) की इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (आईजीजीएमसी) में इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि टक्कर के कारण वैन क्षतिग्रस्त हो गई और कई छात्र अंदर फंस गए। राहगीरों ने बच्चों को बचाया और उन्हें पास के अस्पतालों में पहुंचाया।

एक छात्रा एक निजी अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती है, जबकि तीन अन्य बच्चों का अन्य अस्पतालों में इलाज चल रहा है। अधिकारी ने कहा कि मनकापुर पुलिस ने इस घटना को लेकर मामला दर्ज किया है और जांच जारी है।

बंबई उच्च न्यायालय को मिली बम की धमकी झूठी निकली

मुंबई(संवाददाता) । बंबई उच्च न्यायालय प्रशासन को शुक्रवार को बम की धमकी वाला एक ई-मेल मिला, लेकिन तलाशी अभियान में कुछ भी संदिग्ध न मिलने पर इसे अफवाह घोषित कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। इसके चलते अदालती कार्यवाही लगभग दो घंटे तक स्थगित रही।

ईमेल मिलने के बाद उच्च न्यायालय परिसर को खाली करा लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा, "बंबई उच्च न्यायालय के आधिकारिक ई-मेल पते पर दोपहर बाद धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ, जिसमें इमारत में बम विस्फोट की धमकी दी गई। गहन तलाशी ली गई, कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। यह झूठी धमकी निकली।"

उन्होंने बताया कि तलाशी के बाद लोगों को अंदर प्रवेश की अनुमति दे दी गई और अदालत में कामकाज सामान्य ढंग से शुरू हो गया। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने बताया कि धमकी भरा ईमेल बंबई उच्च न्यायालय के आधिकारिक ईमेल पते पर प्राप्त हुआ था, जिसमें इमारत में बम विस्फोट की धमकी दी गई थी।

उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के बाद पुलिसकर्मी उच्च न्यायालय पहुंचे और सभी न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों तथा आगंतुकों से एहतियात के तौर पर परिसर खाली करने को कहा गया। अधिकारी ने कहा, "मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार इमारत को खाली करा लिया गया और बम निरोधक दस्ते (बीडीडीएस) तथा श्वान दस्ते की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया।"

सूत्रों ने बताया कि कानूनी कार्य करीब दो घंटे तक स्थगित रहा और यह अपराह्न करीब तीन बजे फिर से शुरू हुआ। इससे पहले आज दिल्ली उच्च न्यायालय को भी बम की धमकी वाला एक ई-मेल मिला और जांच के बाद यह धमकी भी झूठी निकली।

सम्पादकीय

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के फैसले से लेकर आयोग की प्रक्रिया पर उठे कई सवाल, आधार कार्ड व्यक्ति की नागरिकता का पहचान नहीं?

इसमें दोराय नहीं कि किसी भी चुनाव के दौरान स्वच्छ मतदान सुनिश्चित कराना निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है और इसके लिए समय-समय पर मतदाता सूची को दुरुस्त करने के मकसद से उसे जरूरी कदम उठाने पड़ते हैं। मगर बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के फैसले से लेकर आयोग की प्रक्रिया पर जितने सवाल उठे, उसने उसकी मंशा को कठघरे में खड़ा किया। यह अपने आप में एक विचित्र फैसला था कि मतदाता सूची में कायम रहने के लिए आयोग ने लोगों के सामने जरूरी दस्तावेज पेश करने के जो विकल्प रखे, उनमें आधार कार्ड नहीं था।

यह दलील दी गई कि आधार कार्ड व्यक्ति की नागरिकता का पहचान नहीं है, इसलिए इसे स्वीकार्य दस्तावेज के रूप में जगह नहीं मिलेगी। नतीजा यह हुआ कि जिनके पास अपने आपको बिहार का निवासी साबित करने के लिए मुख्य दस्तावेज आधार ही था, वैसे तमाम लोगों के लिए मतदाता सूची में अपना नाम बनाए रखना मुश्किल हो गया। जबकि निर्वाचन आयोग ने कुछ ऐसे प्रमाण पत्रों को स्वीकार्य दस्तावेज बताया, जिन्हें बनाने के लिए आधार की जरूरत पड़ती है।

गौरतलब है कि शुरू से इस संबंध में लचर दलील दे रहे निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद अब आखिरकार आधार को एक स्वीकार्य दस्तावेज मान लिया है। आयोग ने बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को कहा है कि मतदाताओं की पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड को एक अतिरिक्त दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाए। इसके तहत सूचीबद्ध ग्यारह दस्तावेजों के अलावा आधार कार्ड को बारहवें दस्तावेज के रूप में माना जाएगा।

सवाल है कि अगर अब जाकर आयोग को अपना रुख बदलने का कारण इस संबंध में बने नियम-कायदे हैं, तो आयोग के इससे इनकार करने की क्या वजहें थीं। अगर जुलाई में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के शुरूआती दौर में ही बाकी दस्तावेजों के साथ-साथ आधार कार्ड को भी स्वीकार्य माना जाता तो क्या इस समूचे मसले पर खड़े हुए इतने बड़े विवाद से नहीं बचा जा सकता था? जिन लाखों लोगों के नाम मसविदा मतदाता सूची से बाहर करने की नौबत आई थी, उसका कारण क्या निर्वाचन आयोग का रवैया नहीं था?

गौरतलब है कि इस मुद्दे पर आयोग के अड़ियल रुख की वजह से बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के दौरान आधार को छोड़ कर जिन ग्यारह दस्तावेजों को पहचान स्थापित करने के लिए स्वीकार्य बताया गया, उनमें से केवल पासपोर्ट और जन्म प्रमाण पत्र को नागरिकता साबित करने के लिए जरूरी दस्तावेज के तौर पर माना जाता है। सवाल है कि बाकी के नौ अन्य दस्तावेजों के बूते अगर मतदाता की पहचान की जा सकती है, तो आधार कार्ड के सत्यापन से भी किसी के पात्र-अपात्र होने के बारे में भी पता क्यों नहीं लगाया जा सकता? विडंबना यह है कि इस मसले पर अब तक निर्वाचन आयोग ने जिस तरह की जिद ठान रखी थी, उसकी वजह से बहुत सारे लोगों के सामने अपनी पहचान तक साबित करने का संकट खड़ा हो गया था। पहचान और नागरिकता से लेकर अन्य जरूरी दस्तावेज बनवाने तथा उसे सुरक्षित रखने को लेकर गरीब तबके के लोगों की मुश्किलें जगजाहिर रही हैं। ऐसे में पहचान के लिए सत्यापन की प्रणाली को ज्यादा समावेशी और व्यावहारिक बनाने की जरूरत है। इसके अलावा, लोकतंत्र के जीवन के लिए सभी पात्र मतदाताओं के मतदान के मौलिक अधिकार को सुरक्षित और सुनिश्चित करना निर्वाचन आयोग की ही जिम्मेदारी है।

सामाजिक सोच में दहेज की गहरी जड़ें, उत्तर प्रदेश-बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य दहेज हत्याओं की संख्या में सबसे ऊपर

ऐसा लगता है कि हमारे समाज में दहेज प्रथा लोगों की सोच में गहरे तक समाई हुई है। तमाम नियम-कानूनों के बावजूद इस कुरीति पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पा रहा है। पिछले दिनों एक विवाहिता की आग में झुलस कर हुई मौत की घटना ने भारतीय समाज के सामने एक बार फिर वही कड़वी सच्चाई सामने रखी कि दहेज जैसी प्रथा आज भी है और यह अब भी महिलाओं की जान ले रही है। दहेज से जुड़ी हत्या या उत्पीड़न की घटनाएं जटिल सामाजिक ढांचे का हिस्सा हैं, जो महिलाओं को पुरुषों के समान दर्जा देने के विरुद्ध एक परंपरा की तरह है। दहेज की समस्या पर गंभीर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट होता है कि यह केवल कानून और पुलिस का मसला नहीं, बल्कि पूरे समाज की सोच एवं व्यवस्था से जुड़ा सवाल है।

राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अनुसार, वर्ष 2022 में दहेज हत्या के छह हजार से अधिक मामले दर्ज हुए। यह संख्या वर्षों से लगभग स्थिर बनी हुई है। वर्ष 2017 से 2022 के बीच हर वर्ष औसतन सात हजार मामले दर्ज हुए हैं। यह उन मामलों की गिनती है जो पुलिस तक पहुंचे। वास्तव में यह संख्या कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई घटनाएं सामाजिक दबाव या पारिवारिक समझौतों के कारण दर्ज ही नहीं हो पाती हैं। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की कुल संख्या भी भयावह है। वर्ष 2022 में देश भर में चार लाख से अधिक मामले दर्ज हुए। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्य दहेज हत्याओं की संख्या में सबसे ऊपर हैं। ये आंकड़े केवल मृत्यु के हैं, उत्पीड़न और मानसिक हिंसा के मामले इनसे कहीं अधिक हैं।

भारत में दहेज को अपराध घोषित किए हुए छह दशक से

अधिक समय बीत चुका है। दहेज निषेध अधिनियम 1961 के अंतर्गत दहेज देने, लेने या मांगने को प्रतिबंधित किया गया है। हाल ही में लागू नई भारतीय न्याय संहिता में भी इन्हें लगभग उसी रूप में शामिल किया गया है। दहेज हत्या में न्यूनतम सात वर्ष और अधिकतम आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। कागज पर व्यवस्था कठोर है, मगर व्यावहारिक स्थिति बेहद कमजोर है। सबसे बड़ी समस्या दोषसिद्धि की दर है। अदालतों में पहुंचने वाले मामलों में शायद ही एक तिहाई में दोष सिद्ध हो पाता है। अनेक अध्ययनों में दोषसिद्धि की दर बीस फीसद से भी नीचे पाई गई है। दिल्ली और बंगलुरु जैसे महानगरों के अध्ययनों में यह दर काफी कम दर्ज हुई है। इसका कारण यह नहीं कि मामले झूठे हैं, बल्कि साक्ष्य जुटाने और गवाही सुनिश्चित करने में पुलिस और अभियोजन विफल रहते हैं।

दहेज से जुड़ी घटनाएं अधिकतर घरों के भीतर होती हैं और गवाह प्रायः परिवार के ही सदस्य होते हैं। पीड़िता की मृत्यु के बाद गवाही देने वाला अक्सर वही परिवार होता है, जिस पर सामाजिक दबाव और समझौते का बोझ रहता है। गवाह अदालत में पलट जाते हैं, गवाही कमजोर हो जाती है और अभियोजन विफल होता है। विश्व बैंक और अन्य संस्थाओं के अध्ययनों से स्पष्ट है कि बीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से लेकर इक्कीसवीं सदी के आरंभ तक भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 95 फीसद शादियों में दहेज दिया गया। यह परंपरा महिलाओं की स्थिति को गहरे स्तर पर कमजोर करती है, क्योंकि विवाह के अवसर पर परिवार को आर्थिक रूप से झुकना पड़ता है और विवाह के बाद महिला पर उत्पीड़न की तलवार लटकती रहती है।

इस प्रथा का मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी उतना ही गंभीर है। विवाह से पहले ही लड़की के माता-पिता तनाव में रहते हैं। कई बार उन्हें कर्ज लेना पड़ता है, जमीन-जायदाद बेचनी पड़ती है। वर्षों तक कर्ज चुकाना पड़ता है। विवाह के बाद यदि दहेज की उम्मीद पूरी न हो, तो बहू को अपमान एवं हिंसा झेलनी पड़ती है। कभी-कभी मामला आत्महत्या या हत्या तक पहुंच जाता है। महिलाओं का मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक स्थिति और पारिवारिक संतुलन इस कुप्रथा से प्रभावित होते हैं। ऐसे मामलों में परिवार प्राथमिकी दर्ज करने में ही हिचकिचाता है, क्योंकि पुलिस अक्सर संवेदनशीलता नहीं दिखाती। यदि प्राथमिकी दर्ज हो भी जाए, तो जांच में देरी होती है, घटनास्थल का वैज्ञानिक निरीक्षण नहीं होता, चिकित्सीय साक्ष्य सही समय पर एकत्र नहीं किए जाते। गवाही में देरी होती है, तारीख पर तारीख मिलती है। पीड़ित पक्ष थक कर हार मान जाता है। गवाह पलट जाते हैं, समझौते हो जाते हैं और अंततः दोषी छूट जाते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में पीड़िता के परिवार की न्याय की उम्मीद धुंधली पड़ जाती है।

कुछ राज्यों में दहेज निषेध अधिनियम को संशोधित करने के प्रयास हुए हैं। उदाहरण के लिए हाल ही में केरल सरकार ने यह प्रस्ताव रखा कि दहेज देने को अपराध न माना जाए, बल्कि केवल मांगने और लेने वालों को कठोर दंड दिया जाए। तर्क यह है कि देने वाले प्रायः दबाव में होते हैं और वे भी कानूनी दायरे में आ जाते हैं। यदि देने वाले पर से अपराध का बोझ हटाया जाए, तो वे अधिक साहस के साथ पुलिस तक पहुंच सकते हैं। हालांकि इस प्रस्ताव पर बहस भी है कि कहीं यह उपहार के नाम पर दहेज को वैध ठहराने का रास्ता न बन जाए।

समाधान केवल कठोर कानून बनाने से नहीं होगा। इसके लिए बहुआयामी रणनीति की आवश्यकता है। सबसे पहले जांच प्रक्रिया को वैज्ञानिक और समयबद्ध बनाना होगा। हर दहेज हत्या को विशेष रूप से दर्ज कर समय पर पोस्टमार्टम, साक्ष्य संकलन और गवाही सुनिश्चित करनी होगी। पुलिस और अभियोजन को जवाबदेह बनाने के लिए समय-सीमा तय करनी होगी। विशेष न्यायालयों का गठन किया जाए, जहां ऐसे मामलों की त्वरित सुनवाई हो। विवाह पंजीकरण और उपहारों का लिखित और डिजिटल रेकार्ड बनाया जाए, ताकि बाद में यह साबित किया जा सके कि कौन-से उपहार स्वेच्छा से दिए गए और कौन से दहेज की मांग पर। इससे मुकदमों में साक्ष्य की समस्या कम होगी।

सबसे गहरी जड़ें तो समाज की मानसिकता में हैं। जब तक यह सोच बनी रहेगी कि बेटा परिवार का सहारा है और बेटी बोझ, तब तक दहेज की मांग बनी रहेगी। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में लैंगिक समानता और महिला अधिकारों को केंद्रीय विषय बनाना होगा। बेटियों को संपत्ति का वास्तविक हिस्सा दिलाना होगा। जब बेटियां संपत्ति और रोजगार में सशक्त होंगी, तभी विवाह बाजार में उनका मूल्य दहेज से नहीं, बल्कि उनकी स्वायत्तता और योग्यता से तय होगा। सामाजिक स्तर पर भी आंदोलन की आवश्यकता है। यदि विवाह को दिखावे और खर्च का मंच न बनाकर सादगी और समानता का उत्सव बनाया जाए, तो दहेज की मांग स्वयं कमजोर होगी। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी कि बेटियां समान अधिकार और सम्मान की हकदार हैं, तब तक दहेज प्रथा का अंत संभव नहीं है। हर परिवार को यह संकल्प लेना होगा कि वे न तो दहेज लेंगे और न देंगे। तभी हम एक ऐसा समाज बना पाएंगे, जहां विवाह प्रेम और सम्मान का बंधन होगा, न कि आर्थिक लेन-देन का सौदा।

हमारे किसी काम को नए नजरिए से देखता हैं कोई भी नया व्यक्ति ईमानदार राय मिलना काम को बेहतर बनाने का सबसे कारगर उपाय

कोई काम किया जाए और वह किस स्तर का रहा, उसकी गुणवत्ता क्या रही, उसमें कमियां क्या रहीं, इस पर अगर कोई राय मिले यानी 'फीडबैक' मिले, तो वह काम की गुणवत्ता में सुधार का एक सबसे बेहतर जरिया होता है। इस तरह की राय को हम इस लिहाज से अच्छा मानते हैं कि वह हमें अपने काम में सुधार करने और उससे कुछ बेहतर करने का मौका देती है। हालांकि कुछ लोग अहं के दायरे में सिमटे होते हैं। वे इस तरह की राय को चोट की तरह की देखते हैं। मगर सच यह है कि काम पर ईमानदार राय मिलना काम को बेहतर बनाने का सबसे कारगर उपाय है। हममें से कई लोगों के अनुभव ऐसे भी रहे होंगे कि इससे हमें अपने पेशेवर विकास में भी मदद मिली है। अन्य क्षेत्र में भी यह उतना ही उपयोगी है।

विडंबना यह है कि यह बात बहुत कम लोगों को हजम होती है। राय मिलने को अक्सर लोग नकारात्मक तरीके से लेते हैं। इसके कारण को समझने का प्रयास किया जाए, तो यह शायद हमारी संस्कृति का हिस्सा ही नहीं रही है, इसलिए लोग अपने काम को हमेशा पूरा मानते हैं और इस पर आने वाली राय को आलोचना के रूप में देखते हैं। यही वजह है कि अक्सर लोग राय देने से कतराते हैं। यह स्थिति राय देने और लेने, दोनों के लिए ठीक नहीं है। इसका हर्जाना हम सभी को भरना पड़ता है, क्योंकि इससे अपने कुछ नया सीखने और नया सोचने की संभावना को हम खुद ही खत्म कर देते हैं। जबकि अपने काम पर मिलने वाली राय को एक अवसर की तरह देखना चाहिए।

दरअसल, हमारे किसी काम को कोई नया व्यक्ति अपने और नए नजरिए से देखता हैं। ऐसे में जो बिंदु और विचार अभी तक छूट रहे थे, उन बिंदुओं को वह उसमें शामिल करने की सलाह देता है। इससे हमारा काम और इसकी गुणवत्ता पहले की अपेक्षा और अधिक बेहतर होती है। सवाल है कि इस विकल्प को बंद क्यों करना! जिस तरह हम स्कूल में कई सारी नई बातें सीखते हैं, वैसे हमें यह भी सीखना होगा कि किस तरह से किसी इंसान के जीवन में यह मायने रखता है कि उसे एक व्यक्ति के रूप में और बेहतर बनना है। इसके सहारे व्यक्ति दूसरों के विचारों को सुनना और सम्मान देना सीखता है। हम यह सोचने के स्तर पर लोकतांत्रिक होते हैं कि कोई दूसरा व्यक्ति भी कुछ जानता है और कई दफा हमसे बेहतर जानता है। इस तरह हम समाज के एक संवेदनशील नागरिक बनने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं।

यह घर और स्कूल दोनों से ही शुरू होना चाहिए, क्योंकि इसे सीखने के लिए भी समय चाहिए। यह आने वाले समय में दोनों के लिए एक अच्छी प्रक्रिया साबित होगी। अक्सर घर-परिवार में भी यह देखने को मिलता है कि किसी भी तरह की प्रतिक्रिया देने पर बात लड़ाई और मनमुटाव तक पहुंच जाती है। जबकि ऐसा होना नहीं चाहिए। इससे हमारे आपसी संबंध भी खराब होते हैं और हमारा काम भी प्रभावित होता है। अगर हम खुले मन से इसको स्वीकार करें, तो इसका हल किया जा सकता है। पर यह सिर्फ बोलने के लिए होता है। असल में कोई सलाह देता है तो हमें उस व्यक्ति से ही चिढ़ होने लगती है। दरअसल, हमारे यहां व्यक्ति में सुधार से ज्यादा संबंधों की ज्यादा चिंता होती है।

अगर हम वास्तव में किसी के शुभचिंतक हैं या कोई हमारा हित सोचता है, तो वह हमें आगे बढ़ता हुआ देख कर खुश होगा। हमारी कमी और गलतियों के बारे में हमें बताएगा और उसमें सुधार करने की कोशिश करेगा। यह हमारे सीखने की प्रक्रिया एक महत्त्वपूर्ण चरण है। यों भी इंसान जन्म से लेकर मरने तक कुछ न कुछ नया सीखता ही रहता है और सीखना भी चाहिए। यह हमारे आगे बढ़ने और अपना बेहतर रूप सामने लाने में हमारी मदद करता है।

सवाल है कि इस बेशकीमती प्रक्रिया को नजरअंदाज क्यों किया जाए। इसका खुलकर स्वागत और उस अनुरूप सुधार करना चाहिए। रही बात संबंधों की, तो इससे संबंध और मजबूत होने की संभावना बढ़ जाती है। हम सभी अपने आसपास इस तरह के अनुभवों को देखें, तो इससे हमारे रिश्ते मजबूत ही हुए हैं। हां, इसमें समय लग सकता है। एक मुश्किल यह भी है कि कई बार अपनी राय किसी खास काम पर नहीं, बल्कि उसे करने वाले व्यक्ति के बारे में दिया जाने लगता है। इससे बात और बिगड़ जाती है। इसका एक और बड़ा नुकसान यह भी है कि इससे हमारा समाज कुछ नया करने और सोचने से भी कतराने लगता है। एक समाज के तौर पर यह भी हमारे लिए हानिकारक है।

जो नया हम अपने आसपास देख रहे हैं, उसके पीछे उन कुछ झक्की और धुन के पक्के लोगों का योगदान है, जिन्होंने असफल होने या निंदा का डर छोड़कर अपने आप को किसी काम में झोंक दिया और लगातार उस पर मिलने वाली राय या सलाह पर गौर करते हुए उस पर काम करते हैं। हर क्षेत्र में लोग सलाह लेते हैं और उसमें आवश्यक सुधार करते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियां भी इस काम के लिए अलग सलाहकार टीम को रखती हैं और अपने काम को और बेहतर बनाती हैं। अगर वह ऐसा न करे, तो ज्यादा दिन टिक नहीं पाएगी। यानी यह नियम हर जगह लागू होता है, बस उसे सकारात्मक रूप में लिया जाए। एक बेहतर समाज और एक बेहतर इंसान बनने की प्रक्रिया में यह एक महत्त्वपूर्ण औजार है।

मोदी सरकार का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन

कोई भी देश तभी आत्मनिर्भर बन सकता है, जब वह अपनी रोजमर्रा की जरूरतों का सामान खुद बनाए। स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना इस दिशा में सबसे जरूरी कदम है। यही वजह है कि दुनिया भर के देश अपने छोटे और कुटीर उद्योगों को मजबूत करने पर जोर देते हैं। देश की समृद्धि तभी संभव है, जब आयात और निर्यात का संतुलन बना रहे और दूसरे देशों पर हमारी निर्भरता कम हो। आज वैश्विक दबावों के बीच भारत में स्वदेशी को बढ़ाने की बात जोर-शोर से हो रही है। इसी दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा और सराहनीय कदम उठाया है जीएसटी की दरों में कटौती। उनका लक्ष्य भारत को आत्मनिर्भर बनाना है, और जीएसटी में राहत छोटे उद्योगों को सस्ता कच्चा माल और कम लागत देकर इस सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में एक मजबूत कदम है। मोदी सरकार का उद्देश्य सिर्फ आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सांस्कृतिक और सामाजिक आंदोलन भी है। जब देशवासी स्थानीय उत्पादों को अपनाते हैं, तो वे न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करते हैं, बल्कि अपने इतिहास, कारीगरी और परंपराओं को भी संजोते हैं। आज, भारतीय उपभोक्ता पहले से अधिक सजग हैं। वे समझते हैं कि हर स्वदेशी खरीदारी एक रोजगार का सृजन करती है और एक आत्मनिर्भर भारत की नींव को और मजबूत करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वदेशी भारत का सपना अब एक नई ऊंचाई की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों के बाद अब सरकार ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में दी जा रही राहतों के जरिए घरेलू उद्योगों को एक नई उड़ान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा कुछ आवश्यक घरेलू उत्पादों पर जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा की गई है। इसका सीधा लाभ छोटे और मध्यम दर्जे के स्वदेशी निमार्ताओं को मिलेगा। इससे न केवल उनकी उत्पादन लागत घटेगी, बल्कि उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी। उदाहरण के लिए, हैंडलूम वस्त्र, बांस उत्पाद, घरेलू खिलौने और आयुर्वेदिक दवाओं पर जीएसटी दरों में राहत दी गई है, जो ग्रामीण भारत और पारंपरिक उद्योगों को एक नई ऊर्जा देगी।

जीएसटी की दरों में हालिया बदलाव ने छोटे उद्योगों के लिए नई उम्मीदें जगाई हैं। 2025 में कई सामानों पर जीएसटी की दरें कम की गई हैं। मिसाल के तौर पर, 28 प्रतिशत के स्लैब से कई उत्पादों को 18 प्रतिशत और कुछ को 12 से 5 प्रतिशत तक लाया गया है। इससे उत्पादन की लागत कम होगी, खासकर हैंडीक्राफ्ट्स और लेदर-फुटवेयर जैसे क्षेत्रों में, जहां जीएसटी 12 से घटकर 5 प्रतिशत हो गया है। इसका सीधा फायदा यह होगा कि छोटे कारोबारियों को कच्चा माल सस्ता मिलेगा, उनकी लागत 7-8 प्रतिशत तक कम होगी, और वे बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। इस कदम से न सिर्फ उत्पादन सस्ता होगा, बल्कि उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे टीवी और अन्य सामानों पर जीएसटी 28 से 18 प्रतिशत होने से उनकी कीमतें 7-8 प्रतिशत तक कम हो सकती हैं। इससे लोग ज्यादा खरीदारी करेंगे, खासकर ऑटो, कंज्यूमर गुड्स और एफएमसीजी जैसे क्षेत्रों में। नतीजतन, छोटे उद्योगों की के सामान की बिक्री बढ़ेगी और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

जीएसटी में कटौती का एक और बड़ा फायदा निर्यात के क्षेत्र में दिखेगा। कम टैक्स से भारतीय उत्पादों की कीमतें वैश्विक बाजार में और प्रतिस्पर्धी बनेंगी। खासकर लेदर और फुटवेयर जैसे निर्यात-आधारित उद्योगों को इससे खासा लाभ होगा। ये क्षेत्र लाखों लोगों को रोजगार देते हैं, और इनकी मजबूती से ग्रामीण और छोटे शहरों की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। हैंडीक्राफ्ट्स जैसे क्षेत्रों में कारीगरों को सस्ता कच्चा माल और बेहतर मुनाफा मिलेगा, जिससे उनकी आजीविका सुधरेगी।

भारत विविधताओं वाला देश है, जहां हर क्षेत्र की अपनी विशेषताएं, कारीगरी, उत्पाद और संस्कृति है, लेकिन वैश्वीकरण के कारण हमारे देश के लोकल उत्पादों की उपेक्षा होती रही है। इस स्थिति को बदलने के लिए भारत सरकार ने वोकल फॉर लोकल का नारा दिया है। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक आंदोलन है जो आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है वोकल फॉर लोकल का अर्थ है स्थानीय उत्पादों के लिए आवाज उठाना और उनका समर्थन करना। इसका उद्देश्य है कि हम देश में बने उत्पादों को प्राथमिकता दें, उन्हें अपनाएं, और उनके प्रचार-प्रसार में मदद करें ताकि स्थानीय उद्योगों और कारीगरों को प्रोत्साहन मिले।

विदेशी उत्पादों पर निर्भरता को कम कर स्वदेशी उत्पादों को अपनाना भारत को आत्मनिर्भर बना सकता है। जब हम स्थानीय उत्पादों को खरीदते हैं, तो इससे छोटे उद्योगों को बढ़ावा मिलता है और रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। हमारे देश की हस्तकला, कपड़ा उद्योग, मिट्टी के बर्तन, और अन्य पारंपरिक उत्पादों को समर्थन मिलता है। देश में ही उत्पादन और खपत से पैसे का प्रवाह देश के भीतर रहता है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है।

हमें विदेशी ब्रांड्स के पीछे भागने की बजाय भारतीय उत्पादों को अपनाना चाहिए। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लोकल उत्पादों का प्रचार करना चाहिए। त्योहारों और अन्य अवसरों पर भारतीय कारीगरों द्वारा बनाए गए सामान का उपयोग करें। उदाहरण के तौर पर आज खादी, हैंडलूम, हस्तशिल्प, आयुर्वेदिक उत्पाद जैसे पतंजलि आदि को अपनाकर लोग वोकल फॉर लोकल को समर्थन दे रहे हैं। उत्तर प्रदेश का चिकनकारी, कश्मीर का कढ़ाईदार वस्त्र, और राजस्थान की हस्तशिल्प कलाएं सब हमारी लोकल ताकतें हैं।

कुल मिलाकर, जीएसटी सुधार छोटे उद्योगों के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकता है। यह न केवल उनकी दक्षता बढ़ाएगा, बल्कि टैक्स की जटिलता को भी कम करेगा। हालांकि इससे सरकारी राजस्व में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन लंबे समय में यह अर्थव्यवस्था को मजबूत करेगा और विकास दर को बढ़ावा देगा। मोदी जी का यह कदम स्वदेशी को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

एनएफआईआर महासचिव को ट्रेन मैनेजरों ने ज्ञापन सौंपा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अधिवेशन में महासचिव डॉ. राघवैया ने एन एफ आई आर के 31वे अधिवेशन को सम्बोधित करते हुए कहा कि रेलवे मे लोको पायलट एवं गाड़ी प्रबंधक भारतीय रेलवे की सुरक्षा और संचालन व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है इन्हें रेलवे संरक्षा का पद घोषित कर वेतन भत्तों में सुधार करते हुए कार्य स्थिति में भी सुधार की आवश्यकता है महासचिव ने मंच से भरोसा दिलाया कि 8वें वेतन आयोग के समक्ष मजबूती के साथ उठाया जायेगा आपका कार्य कठिन से कठिन परिस्थितियों में यात्री सेवा करना है में 8वें वेतन आयोग और एनसी-जेसीएम समिति में आप सभी कार्यकर्ताओं की आवाज गूंजेगी।

हर 15 मिनट में एक जीवन बचाने वाले ट्रेन मैनेजरों की ऐतिहासिक मांगें एनएफआईआर के मंच से हुईं प्रेषित

भारतीय रेलवे की सुरक्षा और संचालन व्यवस्था की रीढ़, प्रतिष्ठित ट्रेन मैनेजरों ने राजधानी में आयोजित एनएफआईआर (नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन) के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन में एक महत्वपूर्ण ज्ञापन एनएफआईआर के महासचिव डॉ. एम. राघवैया को सौंपा। इस ऐतिहासिक ज्ञापन में 'ट्रेन मैनेजर' को 'रेल की धड़कन' कहा गया है और इन्हें रेलवे संरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पद घोषित करने के साथ-साथ वेतन, भत्ते और कार्य स्थितियों में सुधार की ठोस मांग की गई है। इस अवसर पर डॉ. राघवैया ने सार्वजनिक मंच से संकल्प लिया कि ट्रेन मैनेजरों को भी संकल्प लेकर सभी जोनल मे यूनियन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहिए आप सभी की समास्याओं का समाधान करना हमारा कर्तव्य है केवल एक जुटता के साथ रहिए।

दुर्घटना रोकने में ट्रेन मैनेजरों की भूमिका

ज्ञापन में उल्लेखित है कि ट्रेन मैनेजर अपनी सतर्कता, सूझबूझ और साहस के बल पर प्रतिदिन लगभग 100 दुर्घटनाओं को टालते हैं तथा औसतन हर 15 मिनट में एक जान बचाते हैं। यही नहीं, उनका रोल इतनी व्यापक और जोखिमपूर्ण है कि प्रतिदिन रेलवे की विश्वसनीयता और यात्रियों के विश्वास का आधार इन्हीं की जिम्मेदारी बन जाती है।ङ ज्ञापन में उन गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि दी गई है जिनमें श्री कमलकांत जी (बरौनी मुख्यालय), श्री देवेंद्र कुमार (झांसी), श्री प्रताप ठाकुर (धरखोह) जैसे कई ट्रेन मैनेजर शामिल हैं, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान प्राण गंवाए या गंभीर चोटों का सामना किया। इनके अलावा अनेकों उदाहरण–श्री राजू सरकार द्वारा ट्रैक पर बाधा पहचानकर दुर्घटना टालना, एम.एस. जोशी द्वारा समय पर आग बुझाकर लोगों की रक्षा करना, संजीव कुमार द्वारा घायल यात्री की जान बचाना–यह दर्शाते हैं कि ट्रेन मैनेजर न केवल निगरानीकर्ता हैं, बल्कि आपदा के समय उद्धारकर्ता भी बन जाते हैं।

दुर्घटना स्थल के प्रथम प्रभारी रेलवे यात्री अनिष्टकारी घटना जांच नियम 2020 के अनुसार, दुर्घटना की स्थिति में ट्रेन मैनेजर ही सबसे पहले घटनास्थल के प्रभारी होते हैं। वह गोल्डन ऑवर (पहले 60 मिनट) में सुरक्षा उपाय (डेटोनेटर, डेंजर सिग्नल), कंट्रोल को सूचनाएँ (एसीसी-3), प्राथमिक चिकित्सा, निकासी व्यवस्था, सुरागों का संरक्षण व कानूनी दस्तावेज़ी करण करते हैं। इनके प्रशिक्षित निर्णय से ही हादसे का असर कम या नियंत्रण में आ सकता है।

24x7 चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारी और व्यापक ज्ञान

ट्रेन मैनेजर कठिनतम स्थितियों में–जंगल, कड़ी ठंड/गर्मी, बारिश, और तकनीकी बाधाओं के बीच–अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं। उनका प्रशिक्षण 45 दिनों का गहन कार्यक्रम है जिसमें जीआर, एसआर, वर्किंग टाइम टेबल, एक्सिडेंट मैन्युअल, ऑपरेटिंग मैन्युअल, ब्रेक पावर सर्टिफिकेट से लेकर प्राथमिक चिकित्सा, आपदा प्रबंधन और 14 विभागीय कार्यों की व्यावहारिक जानकारी दी जाती है।

मुख्य माँगें

प्रारंभिक ग्रेड पे 4600 (लेवल-7) किया जाए

सुरक्षा भत्ते की शुरुआत हो। माइलेज दर भत्ता 25% बढ़ाया जाए। रनिंग एलिमेंट 30% से 35% तक किया जाए। यूनिफॉर्म भत्ता 20,000 सभी ट्रेन मैनेजरों को मिले एमएसीपी का उचित और समयबद्ध क्रियान्वयन हो। नाइट ड्यूटी भत्ता पर कैप हटाया जाए। वैज्ञानिक तथ्य भी बने ज्ञापन का आधार ज्ञापन में अनुसंधान और चिकित्सकीय तथ्यों के आधार पर बताया गया कि ट्रेन मैनेजरों की ड्यूटी उनसे नींद, पारिवारिक जीवन, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का बड़ा बलिदान मांगती है–सर्कैडियन रिदम डिसऑर्डर, हाइपरटेंशन (24% अधिक), क्रॉनिक फटीग, अवसाद, और 75% समय परिवार से अलग रहने जैसी गंभीर चुनौतियाँ आम हैं।

'भोलू' के रूप में सम्मान, सुविधाओं में उपेक्षा

संयोग से भारतीय रेलवे ने गार्ड/ट्रेन मैनेजर को ही 'भोलू' के रूप में रेल का मास्कॉट बनाया है; यह प्रतिष्ठा कार्य-संस्कृति और वेतनमान में झलकनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जर्मनी, ब्रिटेन, जापान जैसे देशों में ट्रेन ऑपरेशनल मैनेजर को उच्च वेतन और सम्मान प्राप्त है, भारत को भी वैश्विक मानकों के अनुसार वेतन-भत्तों की समीक्षा करना चाहिए।

एनएफआईआर महासचिव का संकल्प

ज्ञापन लेते हुए एनएफआईआर महासचिव डॉ. एम. राघवैया ने मंच से वचनबद्ध किया कि ट्रेन मैनेजरों की सभी माँगों को न सिर्फ आने वाले एनसी-जेसीएम समिति की बैठक, बल्कि 8वें वेतन आयोग के सदस्यों के समक्ष पूरी मजबूती, तथ्य और उदाहरणों के साथ रखने का दायित्व वे व्यक्तिगत रूप से निभाएंगे। उन्होंने कहा, 'यह अब सम्मान की लड़ाई है, ट्रेन मैनेजर को उसका हक और सामाजिक/आर्थिक न्याय दिलाना एनएफआईआर की प्राथमिकता है।'

निष्कर्ष

एनएफआईआर अधिवेशन से देश भर में गूंज गया संदेश साफ है–जब तक 'रेल की धड़कन' स्वस्थ, सशक्त और सम्मानित नहीं होगी, तब तक भारतीय रेलवे की सुरक्षा और गुणवत्ता अधूरी है। अब वक्त है कि 8वें वेतन आयोग में इन नायकों की आवाज़–जो हर सुरक्षित यात्रा के पीछे अदृश्य प्रहरी हैं–को अधिकार और राष्ट्रीय सम्मान मिले। 'हर सुरक्षित यात्रा के पीछे एक जोखिम भरी जिंदगी'ष्ठ आज यह संदेश ट्रेन मैनेजरों के ज्ञापन और एनएफआईआर के मंच से राष्ट्र को मिला है, और जल्द ही यह गलियारों से निकलकर नीतियों में परिवर्तन लाएगा।

Representation ऑल इंडिया ट्रेन मैनेजर ग्रुप की तरफ से राकेश श्रीवास, रोमेश चौबे, राजीव वर्मा, रुस्तम पांडा, सी.एस.सिंह, श्रीजेश अची, विनय कुमार, दिनेश कुमार, मुन्ना मंडल, एसएन सहगल, दीपक पाराशर, एन.के सिन और 400 से अधिक ट्रेन प्रबंधक ने ज्ञापन दिया..

हाईवे पर कट बंद रहा तो नहीं होगा रामलीला का मंचन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। नगर पंचायत अजुहा में रामलीला मंचन को लेकर शुक्रवार को कमेटी की बैठक हुई। बैठक में पदाधिकारियों द्वारा दशहरा मेला व रामलीला मंचन समेत कई मुद्दों पर निर्णय लिया गया। कहा गया कि यदि कट बंद रहे तो दशहरा मेला और रामलीला का मंचन नहीं कराया जाएगा। नगर पंचायत कार्यालय में बैठक के दौरान दशहरा मेला व रामलीला के आयोजन पर चर्चा हुई। सभी लोगों ने निर्णय लिया कि यदि हाईवे (जीटी रोड) के सारे कट बंद रहेंगे तो सकुशल मेला सम्पन्न होने में बाधा आएगी। बैठक में उपस्थित कमेटी के लोगों ने डीएम से मिलकर समस्या की ओर ध्यान आकृष्ट कराने का निर्णय लिया।

कमेटी के लोगों का मानना है कि कट बंद होने से कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है। रामलीला कमेटी अध्यक्ष ओमप्रकाश कुशवाहा ने बताया कि अगर नगर पंचायत अजुहा के सारे कट खोले जाएंगे तो अजुहा का दशहरा मेला संपन्न होगा नहीं तो मेला नहीं कराया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से कमेटी अध्यक्ष ओम प्रकाश कुशवाहा के अलावा अधिशासी अधिकारी रश्मि सिंह, रमेश प्रसाद केशरवानी, फूल चंद्र केशरवानी, गुड्डू दराना, जय देव केशरवानी, सौरभ केशरवानी, अनिल बाबा, संजीव केसरवानी, विपिन मोदनवाल, अमन केसरवानी, आशीष मोदनवाल, रमेश चंद्र अग्रहरि, विमल पुच्ची, अरविन्द केसरवानी, हर्ष सोनी आदि लोग मौजूद रहे।

दरोगा पर बुजुर्ग को कत्ल में फंसाने की धमकी देने का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पिपरी थाने के लोधौर गांव में बुधवार शाम पहुंचे दरोगा और सिपाही पर बुजुर्ग ने गाली गलौच करने का आरोप लगाया है। विरोध करने पर कत्ल के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देते हुए चौकी पकड़ ले गए। दो घंटे के बाद उसे चौकी से छोड़ा गया। पीड़ित ने शुक्रवार को मामले की शिकायत एसपी से की। लोधौर निवासी पंकज सिंह ने बताया कि वह किसानी करता है। बुधवार शाम को उसके पिता लवकुश गांव के ही एक व्यक्ति के दरवाजे पर बैठे थे। इसी दौरान लोधौर चौकी के दरोगा एक सिपाही के साथ पहुंचे और उनकी फोटो खींचने लगे।

लवकुश के विरोध करने पर गाली गलौज करते हुए कत्ल के झूठे मुकदमे में फंसाकर जिंदगी बर्बाद करने की धमकी दी। इसके बाद जबरन चौकी पकड़ ले गए। दो घंटे के बाद चौकी प्रभारी के दखल देने पर उसे छोड़ दिया गया। पीड़ित ने आरोप लगाया कि उनके परिवार का ही एक युवक ग्राम प्रधान है। वह इन लोगों से रंजिश रखता है। उसी के कहने पर पुलिस ने उसके साथ ऐसा बर्ताव किया है। शिकायत पर एसपी राजेश कुमार ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

बदमाशों पर घर के बाहर अंधाधुंध फायरिंग करने का आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। संदीपन घाट थाने के जोत खातून मजरा मोहनापुर गांव में गुरुवार रात बदमाशों ने युवक के घर के बाहर हवाई फायरिंग की। इससे हड़कंप मच गया। लोगों के शोर मचाने पर बदमाश फरार हो गए। घटना में फायर के निशान दरवाजे पर मिले हैं। कुछ गोलियां के निशान घर की दीवारों पर भी है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की। जोत खातून मजरा मोहनापुर गांव निवासी सुभाष चंद्र पुत्र होरी लाल सरोज मजदूरी कर परिवार का गुजारा करता है। उसने बताया कि गुरुवार रात वह परिवार के साथ घर के अंदर सो रहा था। आधी रात में अज्ञात बदमाश उसके घर के बाहर पहुंचे और गाली गलौच कर अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। आस-पड़ोस के लोग भी जाग गए। शोर मचाने पर बदमाश फरार हुए। सुभाष के अनुसार घटना में फायर के निशान दरवाजे और दीवार पर मिले हैं। उसने आरोप लगाया है कि जिन लोगों ने उसके पिता होरीलाल, बहन बृजकली और बहनोई की हत्या की है, वही लोग उसकी भी जान लेना चाहते हैं। पीड़ित ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। इंस्पेक्टर शशिकांत मिश्रा का कहना है कि मामले की जानकारी है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

सोशल सेक्टर के सभी विभागों द्वारा किया गया तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सोशल सेक्टर के समस्त विभागों द्वारा तहसील मंझनपुर में तहसील स्तरीय जागरूकता शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि जागरूकता कार्यक्रम में बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तीकरण, मिशन शक्ति, बाल विवाह, बाल श्रम तथा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, स्पांसरशिप योजना की जानकारी प्रदान कर आम-जनमानस को अधिक से अधिक आवेदन कराये जाने के सम्बन्ध में जागरूक किया गया। जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्धावस्था पेंशन, पारिवारिक लाभ, शादी अनुदान, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी द्वारा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की समस्त योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। समस्त अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के 05, निराश्रित महिला पेंशन के 05, वृद्धावस्था पेंशन के 10, लाभार्थियों को योजना स्वीकृति प्रमाण पत्र तथा 10 दिव्यांग लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं उपकरण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में उप जिलाधिकारी मंझनपुर, जिला समाज कल्याण अधिकारी, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला पिछड़ावर्ग कल्याण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी एवं महिला कल्याण विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा आम जनमानस उपस्थित रहें।

प्रशिक्षण में बताई गई बिन्दुओं एवं तकनीकी पहलुओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर किया जाय

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलधिकारी मधुसूदन हुल्गी के निर्देशानुसार गैर आकांक्षी विकास खंडो के अंतर्गत उदयन सभागार में व्यवहार परिवर्तन पर विशेष प्रशिक्षण/कार्यशाला का आयोजन किया गया।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने सभी नोडल अधिकारियों से कहा कि पूर्ण मनोयोग के साथ विधिवत प्रशिक्षण प्राप्त किया जाय। प्रशिक्षण में बताई गई बिन्दुओं एवं तकनीकी पहलुओं को ध्यान से समझे तथा क्षेत्र भ्रमण के दौरान बताई गई तकनीकी पहलुओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर किया जाय, ताकि जमीनी स्तर पर सुधार एवं परिवर्तन लाया जा सकें, जिसका लाभ आमजन को सुगमतापूर्वक मिल सकें।

प्रशिक्षण/कार्यशाला में नीति आयोग की टीम शिवी उपाध्याय, स्वाति श्रीवास्तव एवं काव्या मानवी ने नोडल अधिकारियों को व्यवहार परिवर्तन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस प्रशिक्षण में नोडल अधिकारियों को व्यवहार परिवर्तन की अवधारणा, उसके महत्व तथा जमीनी स्तर पर उसके प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि पंचायत और ग्राम स्तर पर योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में व्यवहार परिवर्तन एक अहम भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में उपस्थित नोडल अधिकारियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी और व्यवहारिक बताते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास से शासकीय योजनाओं को धरातल में उतारने में आसानी होगी तथा इसके परिणाम भी सकारात्मक एवं प्रभावी प्राप्त होंगे। लाभार्थियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने के साथ ही उन्हें जागरूक भी किया जाएगा। प्रशिक्षण में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, उपायुक्त मनरेगा मनोज वर्मा, उपायुक्त एनआरएलएम सुखराज बन्धु सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण एवं सीएम फेलो राजेश कुमार व सौम्या अवस्थी उपस्थित रहीं।

मेडिकल कॉलेज भर्ती में अनियमितताओं का विरोध, सीएम को सौंपा ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मेडिकल कॉलेज भर्ती में पारदर्शिता की मांग को लेकर शुक्रवार को हिंदू रक्षा समिति के तत्वाधान में सैकड़ों बेरोजगार युवाओं ने प्रदर्शन कर सीएम योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन एडीएम न्यायिक प्रबुद्ध सिंह को सौंपा। युवाओं ने आरोप लगाया कि भर्ती विज्ञापन का पर्याप्त प्रचार-प्रसार नहीं हुआ, ऑनलाइन आवेदन पोर्टल में खामियां रहीं और रिक्त पदों व आरक्षण की जानकारी स्पष्ट नहीं दी गई। ज्ञापन में मांग की गई कि भविष्य में विज्ञापन प्रमुख समाचार पत्रों व डिजिटल माध्यमों पर जारी हों, ऑफलाइन आवेदन की सुविधा मिले और प्रत्येक पद की सीट व योग्यता का स्पष्ट विवरण उपलब्ध कराया जाए। एडीएम ने आश्वासन दिया कि प्रकरण को गंभीरता से उच्च स्तर पर भेजा जाएगा। प्रदर्शन में शिवम पाण्डेय, हर्षित मिश्रा, दीपक मौर्या, आर्यन तिवारी, कृष्ण साहू, अमन मिश्रा समेत सैकड़ों युवा शामिल रहे।

पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर 32 वारण्टी और 2 वांछित अभियुक्तों को किया अरेस्ट

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। एसपी राजेश कुमार के निर्देशन में गुरुवार की रात में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए वांछित और वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

ज्ञात हो कि पुलिस द्वारा चलाये गये वृहद अभियान में जनपद के विभिन्न थानों से 32 वारण्टी तथा 02 वांछित (कुल 34) अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

विद्युत केबल बदलने के लिए उपभोक्ताओं हो रहे परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। डिडई बांसी तहसील क्षेत्र मिठवल ब्लॉक के दुभरा गाँव में कमजोर पोलों जर्जर तार व केबिलों के कारण विद्युत वितरण में आए दिन आने वाली समस्याओं को दूर करने के लिए विद्युत विभाग द्वारा ठेकेदारों के माध्यम से जर्जर तारों व केबिलों को बदलने का कार्य कराया जा रहा है। परन्तु ठेकेदार उपभोक्ताओं से बगैर सुविधा शुल्क लिए केबल बदलने को राजी नहीं है। मामला बांसी सबस्टेशन व मिठवल विकास क्षेत्र के गाँव दुभरा का है, जहाँ पुराने केबल को बदलने के लिए अपनी टीम व केबल लेकर गाँव में पहुंचे और गाँव के एलटी लाइन के नंगे तार को बदल कर नया केबल लगाया, कुछ जर्जर पोलों को भी बदला गया।वहीं गाँव के उत्तर टोले में रहने वाले कनेक्शन धारी उपभोक्ता रामकुमार अहमद अली, मोहम्मद नासिर, राम भवन, राम अवध, श्याम भवन, रंजीत, सफीकुल्लाह, जगमोहन आदि के अनुसार उत्तर टोले में लगे एलटी लाइन के जर्जर केबल को बदलने के लिए ठेकेदार दस हजार रुपये की एकमुश्त डिमांड करने रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वगैर धन लिए ठेकेदार केबल बदलने को राजी नहीं हैं। वहीं ग्राम प्रधान लालेन्द्र चौधरी ने कहा कि मामले से विभाग के उच्चाधिकारियों को भी अवगत कराया परन्तु कोई संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।

अनुराग कश्यप, ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो पहुँचे लखनऊ के प्रतिभा थिएटर, निशानची का किया प्रमोशन

मंत्र भारत संवाददाता

जित लखनऊ। अपनी दमदार और बोल्ड स्टोरीटेलिंग के लिए मशहूर फिल्ममेकर अनुराग कश्यप अब अपनी सबसे ज्यादा इंतेज़ार की जाने वाली फिल्म निशानची के प्रमोशन में जुट चुके हैं। चेन्नई के बाद अब अनुराग लीड कास्ट ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो के साथ नवाबों के शहर लखनऊ पहुँचे हैं। यहाँ टीम ने पोस्टर लॉन्च कर निशानची का प्रमोशन शहर के मशहूर प्रतिभा थिएटर में किया, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों का जोश और भी बढ़ गया है।

फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ के बाद से ही चर्चा का विषय बना हुआ है और अब प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊ पहुंची टीम ने दर्शकों से सीधा जुड़ाव बनाया। अनुराग कश्यप, ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो की मौजूदगी ने थिएटर का माहौल और भी खास बना दिया। निशानची के इस प्रमोशनल टूर ने साबित कर दिया है कि फिल्म अपनी रिलीज़ से पहले ही दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतर रही है।

अमेज़न एमजीएम स्टूडियो द्वारा रिलीज की जा रही इस फिल्म के साथ बेहद टैलेंटेड ऐश्वर्य ठाकरे और वेदिका पिंटो बतौर लीड अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुए ट्रेलर में दोनों एक्टर्स की परफॉर्मेंस बेहद कैची लगी है, साथ ही उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर रही है कि क्या सच में यह उनकी डेब्यू फिल्म है। इसके अलावा निशानची के साथ ऐश्वर्य सिर्फ एक्टिंग ही नहीं बल्कि बतौर सॉन्ग राइटर और कंपोजर भी अपना डेब्यू कर रहे हैं। गाने का हुक लाइन 'पिजन कबूतर भइया, उड़न फ्लाई, लुक देखो आसमान इस्काई' पहले से ही लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाना पिजन कबूतर तेज़ी से एक जबरदस्त ईयरवर्म यानी सभी का पसंदीदा बनता नजर आ रहा है।

निशानची इस 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है और इससे पहले ही इंडस्ट्री में इसे लेकर जबरदस्त चर्चा का माहौल बना हुआ है। ट्रेलर को न सिर्फ दर्शकों से सराहना मिल रही है बल्कि अमिताभ बच्चन, आयुष्मान खुराना जैसे कई बड़े नामों ने भी इसकी तारीफ की है।

निशानची का देसी तड़का इसे देखने के लिए दर्शकों की बेसब्री को और बढ़ा रहा है। फिल्म की कहानी से लेकर म्यूज़िक हर एक चीज बेजोड़ है। जहां, इसका म्यूज़िक अपनी ताज़गी और अलग अंदाज़ के कारण लोगों के दिल को छू रहा है। वहीं, ऐश्वर्य का डेब्यू फिल्म में उनके डबल रोल के कारण सबसे ज्यादा चर्चित डेब्यूज़ में से एक बन गया है। इसके साथ ही, फिल्म की एंसेंबल कास्ट इसे और भी दिलचस्प बना देती है, जिसमें वेदिका पिंटो, मोनिका पनवार, मोहम्मद जीशान अय्यूब और कुमुद मिश्रा जैसे कलाकार हैं, जो कहानी में गहराई लाते हैं।

अजय राय और रंजन सिंह के प्रोडक्शन हाउस जार पिक्चर्स के बैनर तले बनी यह फिल्म, फ्लिप फिल्म्स के साथ एसोसिएशन में बनाई गई है।

तीन बोगस डॉक्टर गिरफ्तार

74 झोलाछाप अब तक बेनकाब, पालिका प्रशासन ने फिर मारी दबिश

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर शहर महानगरपालिका की स्वास्थ्य टीम ने शुक्रवार को एक और बड़ी कार्रवाई कर तीन फर्जी डॉक्टरों का पर्दाफाश किया। जो बिना मेडिकल डिग्री के इलाज कर रहे ये झोलाछाप डॉक्टर वर्षों से लोगों को गुमराह कर रहे थे। महानगर पालिका आयुक्त अनमोल सागर और मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर के निर्देश पर, नोडल अधिकारी डॉ.जयवंत धुले और उनकी टीम ने शांतीनगर पुलिस के सहयोग से न्यू आज़ाद नगर और नूरीनगर इलाकों में छापा मारा। इस दौरान भिमराव ग्यानवा कावडे (49), सिध्दीकी क्लिनिक, शांतीनगर व मोहम्मद शमीम सिद्दीकी (52), नूरीनगर डोंगर पाडा और मोहम्मद अयूब मोहम्मद हनीफ (30), न्यू आज़ाद नगर से गिरफ्तार किया है। तीनों के पास एलोपैथी चिकित्सा की कोई डिग्री नहीं थी, लेकिन ये खुद को डॉक्टर बताकर नागरिकों का इलाज कर रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ महाराष्ट्र प्रैक्टिशनर एक्ट-1961 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत केस दर्ज कर लिया है।

भिवंडी मनपा के आयुक्त अनमोल सागर ने स्पष्ट कहा कि ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर नकेल कसने का अभियान लगातार जारी रहेगा। अब तक भिवंडी क्षेत्र में 74 बोगस डॉक्टरों पर कार्रवाई हो चुकी है। वही पर उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि लोग किसी भी संदिग्ध क्लिनिक से इलाज न कराएं और फर्जी डॉक्टर की जानकारी तुरंत पालिका प्रशासन या पुलिस को दें। इस कार्रवाई से झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कप मचा हुआ है।

पूर्व उपमहापौर की दहाड़, बिल्डरों में हड़कंप

आरक्षित जमीन पर सिर्फ कबिस्तान बनेगा -पूर्व उपमहापौर

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगर पालिका के पूर्व उपमहापौर अहमद सिद्दीकी के सख्त रुख से बिल्डर लॉबी में खलबली मच गई है। नागांव क्षेत्र के सर्वे नंबर 43/37, 43/38 और 43/39 की जमीन नये डीपी प्लान में कबिस्तान के लिए आरक्षित किया गया है। लेकिन करीब 5400 वर्ग मीटर जमीन पालिका के कब्जे के बाहर है। सिद्दीकी ने स्पष्ट कहा कि इस आरक्षित जमीन पर केवल कबिस्तान ही बनेगा, किसी और उपयोग की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने पालिका आयुक्त से मांग की है कि प्रशासन इस जमीन को अपने कब्जे में लेकर जल्द से जल्द संबंधित जमीन मालिक को टीडीआर जारी करे। पूर्व उपमहापौर ने आरोप लगाया कि कुछ बिल्डर मोटी रकम रिश्वत देकर इस आरक्षण को रद्द करवाने की साज़िश कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसी राजनेता या बिल्डर ने ऐसा प्रयास किया, तो इसके खिलाफ उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।सिद्दीकी ने साथ ही पालिका प्रशासन के एक कदम की सराहना भी की। ममता टाकी के पास बन रहे नये फायर स्टेशन को उन्होंने शहर की अहम जरूरत बताया। उनके मुताबिक मंडाई और कोमलपाडा, स्वं.इंदिरा गांधी उप जिला अस्पताल, चौहान कालोनी स्थित फायर स्टेशनो से दूरदराज के इलाकों तक समय पर दमकल गाड़ियां पहुंचने में दिक्कत आती है। नये फायर स्टेशन से मिल्लत नगर, चाविंदा और आसपास के ग्रामीण इलाकों को सीधा लाभ होगा। फायर स्टेशन परिसर में एक लाख लीटर क्षमता की पानी की टंकी बनाई जा रही है, जिससे आपदा या आग लगने की स्थिति में पानी की कमी नहीं होगी। पूर्व उपमहापौर ने कहा कि यह परियोजना निश्चित रूप से शहरवासियों की सुरक्षा को मजबूत बनाएगी। कबिस्तान आरक्षण और फायर स्टेशन दोनों मुद्दों पर सिद्दीकी का यह रुख फिलहाल शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

भिवंडी बायपास पर महिला व उसके भाई के साथ मारपीट

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

शहर के राजनोली बायपास पर शुक्रवार तड़के सन्नाटे के बीच उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक महिला पर हमला कर उसका मोबाइल छीन लिया गया। यह घटना सुबह करीब 5 बजे पाटिल बीअर शॉप के पास हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सांईबाबा मंदिर के पास रहने वाली 32 वर्षीय महिला अपने भाई के साथ ठाणे जाने के लिए राजनोली बायपास पर ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रही थी। तभी वहां पहुंची कार (नंबर MH-04-EL-2231) का चालक संदीप पाटिल उनसे उलझ पड़ा। शिकायत में कहा गया है कि विवाद इतना बढ़ा कि आरोपी संदीप पाटिल ने महिला के भाई सुशील शिंदे को चापट जड़ दी। बहस के दौरान महिला जब वीडियो और फोटो लेने लगी, तो उस पर भी हमला किया गया। आरोपियों ने महिला के साथ धक्का-मुक्की करते हुए उसे छुआ और उसी दौरान उसका मोबाइल कहीं गिरकर गायब हो गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए कोनगांव पुलिस ने संदीप पाटिल के खिलाफ बी.एन.एस. की धारा 74, 115(2), 351(2), 328(4) के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले की जांच पुलिस अधिकारी प्रियंका चौगुले कर रही हैं।

17 वर्षीय लड़की लापता, अपहरण का संदेह

भिवंडी (संवाददाता)।शहर के पदमानगर इलाके से एक किशोरी के लापता होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, अपहृत की मॉ ने भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है कि उनकी नाबालिग 17 वर्षीय बेटी 9 सितंबर सुबह 10 बजे घर से सार्वजनिक शौचालय जाने के लिए निकली थी, लेकिन वह अब तक घर वापस नहीं लौटी। परिवार ने आसपास और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन लड़की का कोई पता नहीं चला। इस पर परिजनों ने आशंका जताई है कि किसी अज्ञात शख्स ने लड़की को बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया है। शहर पुलिस स्टेशन ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज किया है। जिसकी आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक सुरेश ढोले कर रहे हैं।

भिवंडी में अवैध निर्माण पर चला बुलडोज़र, आयुक्त के सख्त तेवर से प्रशासनिक हलकों में खलबली

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निज़ामपुर शहर महानगर पालिका क्षेत्र में अवैध इमारतों पर आखिरकार प्रशासन का डंडा चला। आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के सख्त निर्देशों के बाद महज एक दिन में पांच इमारतों को जमींदोज कर दिया गया। खास बात यह रही कि यह कार्रवाई बिना पुलिस बंदोबस्त के हुई। अब तक हर तोड़फोड़ पुलिस सुरक्षा में ही होती थी, लेकिन इस अचानक हुई कार्रवाई ने सहायक आयुक्तों और बीट निरीक्षकों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले तीन साल में भिवंडी में 291 अवैध इमारतें खड़ी हो चुकी हैं। समाजसेवी परमेश्वर आंभोरे ने आरोप लगाया कि अगर 2022 से ही इस तरह सख्ती दिखाई जाती तो शहर में अवैध निर्माण की बाढ़ न आती। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि फिलहाल केवल निर्माणाधीन या एक मंजिला ढांचों पर ही बुलडोज़र क्यों चल रहा है? जबकि कई पांच से सात मंजिला अवैध इमारतें पूरी तरह तैयार हो चुकी हैं, उन पर कार्रवाई कब होगी? शुक्रवार को हुई कार्रवाई में पांच प्रभाग समितियों की टीमें सक्रिय दिखीं। प्रभाग एक में नागांव-2 शांतिनगर स्थित निर्माणाधीन आरसीसी इमारत, प्रभाग दो में अधूरी इमारत, प्रभाग तीन में कणेरी शास्त्रीनगर की संरचना, प्रभाग चार में दरगाह रोड पर निर्माणाधीन खंभे और प्रभाग पांच में ब्राम्हण अली क्षेत्र की पार्किंग में बन रहा मकान ध्वस्त किया गया। पालिका प्रशासन की इस सख्ती से बिल्डरों में हड़कंप मच गया है। साफ है कि अब आयुक्त अवैध निर्माण को किसी भी हाल में बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं। सवाल यही है कि आने वाले दिनों में क्या पूरी तरह तैयार बहुमंजिला अवैध इमारतों पर भी यही बुलडोज़र चलेगा? यदि ऐसा हुआ तो भिवंडी के अवैध निर्माण माफिया की कमर टूटना तय है।

महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रदत्त आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार 2025 से सम्मानित होंगी राष्ट्रीय महिला आयोग, भारत सरकार की चेयरपर्सन विजया किशोर रहाटकर

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्र सेवा, नारी सशक्तिकरण की दिशा में अभूतपूर्व योगदान देने वाली गौरवशाली महिला व्यक्तित्व का नाम है-

नारी समाज का आदर्श विजया जी रहाटकर का जन्म सन् 1966 में छत्रपति संभाजी नगर (महाराष्ट्र) में हुआ। वे बचपन से ही मेधावी व निर्भीक थीं। उन्होंने पुणे विश्वविद्यालय से 'भौतिकी में स्नातक (बी.एस.सी.) तथा इतिहास में एम. ए. की डिग्री प्राप्त की। कालान्तर में उनका विवाह श्री किशोरजी रहाटकर के साथ हुआ। उन्होंने भारतीय राजनैतिक व सामाजिक कार्य क्षेत्र में अपने जीवन के 30 से अधिक वर्ष सर्पित किये।

उन्होंने अपनी कर्म यात्रा संभाजीनगर (औरंगाबाद) के नगर निगम पार्षद के रूप में जमीनी स्तर से की तथा विभिन्न चुनावी कार्यालयों तथा सामाजिक कल्याण संगठनों के नेतृत्व को संभाला। वर्ष 2007 से 2010 में औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) के मेयर के रूप में सेवाएं दी तथा गृहनगर को बदलने का अथक प्रयास किया। 2016 से 2021 में आपकी काबिलियत को देखते हुए महाराष्ट्र के महिला आयोग के अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया गया। उनकी भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय सचिव एवं पार्टी की राजस्थान इकाई की सहप्रभारी के रूप में सेवाएं उल्लेखनीय है।

नारी समाज के लिये बेहद गर्व की बात है कि उनकी नेतृत्व व कर्तृत्व की निपुणता को देखते हुए भारत सरकार द्वारा 19 अक्टूबर 2024 को श्रीमती रहाटकर को राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष के रूप में दायित्व प्रदान किया गया। उन्होंने महिलाओं के सामाजिक और शैक्षणिक विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। एसिड अटैक सर्वाइवर्स, स्वयं सहायता समूहों और महिलाओं के लिए हेल्प लाइन जैसी पहल की। तलाक विरोधी कानूनों, मानव तस्करी विरोधी इकाइयों पर भी काम किया है। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में योगदान के लिये उन्हें अनेक पुरस्कार भी मिले, जिनमें राष्ट्रीय कानून पुरस्कार 2017, सावित्री बाई फुले पुरस्कार आदि अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

इस प्रकार बहुमुखी प्रतिभा की धनी, नेतृत्व निपुण, विशाल महिला समाज को राष्ट्रीय स्तर पर दिशाबोध देने वाली श्रीमती विजया जी रहाटकर की विशेषताओं का मूल्यांकन करते हुए जैन समाज का वृहद महिला संगठन अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संस्था के सर्वोच्च सम्मान 'आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान समारोह संस्था के 50वें वार्षिक अधिवेशन ऊर्ध्वारोहण में आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में दिनांक 20.09.2025 को प्रेक्षा विश्व भारती, कोबा-अहमदाबाद में आयोजित किया जायेगा, जिसमें पूरे देश भर से समागत लगभग 1500 महिलाएं उपस्थित होंगी।

मजदूर की संदिग्ध मौत से हड़कंप, न्याय के लिए सहयोगियों ने सड़क जाम की

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के नोएडा में एक निर्माण स्थल पर श्रमिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के एक दिन बाद, उसके सहयोगियों ने शुक्रवार सुबह मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। पुलिस के एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि झारखंड के दुमका निवासी राजेश (41) सेक्टर-51 स्थित एक निर्माण स्थल पर 'फिटर' का काम करता था। बृहस्पतिवार रात उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई।

नवी मुंबई एयरपोर्ट का उद्घाटन रोकने की चेतावनी

सांसद सुरेश म्हात्रे बोले - दि. बा. पाटील का नाम नहीं मिला तो केंद्र सरकार को बड़े आंदोलन का सामना करना पड़ेगा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नामकरण को लेकर राजनीति गरमा गई है। भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुरेश म्हात्रे उर्फ बाल्या मामा ने साफ शब्दों में कहा है कि जब तक एयरपोर्ट का नाम लोकनेता स्व. दि. बा. पाटील के नाम पर नहीं रखा जाता, तब तक इसका उद्घाटन नहीं होने दिया जाएगा। शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में सांसद म्हात्रे ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार, स्थानीय संगठनों और भूमिपुत्रों के साथ अन्य राजनीतिक दल भी दि. बा. पाटील के नाम पर एयरपोर्ट का नाम रखने के पक्ष में हैं, फिर भी केंद्र सरकार जानबूझकर इस मांग की अनदेखी कर रही है। उन्होंने इसे भूमिपुत्रों के साथ अन्याय करार दिया। सांसद ने बताया कि दि. बा. पाटील का योगदान केवल ठाणे और पालघर जिलों तक सीमित नहीं था। उन्होंने महिला भ्रूण हत्या विरोधी कानून के पारित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रकल्पग्रस्त किसानों को जमीन या उचित मुआवजा दिलाने की लड़ाई भी उन्होंने लड़ी। स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों के खिलाफ कुलकायदा लागू कराने के लिए आंदोलन किया, जिसकी दखल खुद डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर ने ली थी। स्वतंत्र भारत में यह कानून किसानों के लिए वरदान साबित हुआ। इसके अलावा ओबीसी आरक्षण की लड़ाई में भी उन्होंने अहम योगदान दिया।दि. बा. पाटील पांच बार विधायक, दो बार सांसद और महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे। राजनीति, समाज सुधार और कृषि क्षेत्र में उनकी पहचान एक दूरदर्शी नेता की रही। सांसद म्हात्रे ने बताया कि रविवार, 14 सितंबर को लोकनेता स्व. दि. बा. पाटील की जन्मशताब्दी वर्ष पर भिवंडी से नवी मुंबई के जासई गांव तक भव्य कार रैली निकाली जाएगी। इस रैली में दो हजार से अधिक चारपहिया वाहन शामिल होंगे और ठाणे, पालघर, रायगड, नवी मुंबई व मुंबई से हजारों की संख्या में आगरी-कोली समाज के लोग जुटेंगे। केंद्र सरकार को सीधी चेतावनी देते हुए सांसद ने कहा - 'यह कार रैली तो सिर्फ ट्रेलर है, हमें पिक्चर दिखाने के लिए मजबूर मत कीजिए। जब तक एयरपोर्ट को दि. बा. पाटील का नाम नहीं मिलता, तब तक इसका उद्घाटन नहीं होने देंगे।'

मध्य रेल 2025 में पूजा, दिवाली और छठ पर्व के लिए 1126 विशेष ट्रेनें चलाएगा

पहले से घोषित 944 विशेष ट्रेनों के अलावा 182 विशेष ट्रेनें और चलाई जाएँगी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल आगामी पूजा, दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 182 अतिरिक्त विशेष ट्रेन सेवा चलाएगा।

मध्य रेल द्वारा दिवाली/छठ पूजा के लिए कुल 1126 विशेष ट्रेनें चलाई जाएँगी, जिनमें से 182 विशेष ट्रेनें अभी घोषित की गई हैं और 944 विशेष ट्रेनें पहले ही घोषित की जा चुकी हैं।

विवरण नीचे दिया गया है:

1) एलटीटी-दानापुर-एलटीटी द्वि-साप्ताहिक विशेष (40 सेवाएँ)

01017 द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 27.09.2025 से 01.12.2025 तक प्रत्येक सोमवार और शनिवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 22.45 बजे दानापुर पहुँचेगी। (20 सेवाएँ)

01018 द्वि-साप्ताहिक विशेष दिनांक 29.09.2025 से 03.12.2025 तक प्रत्येक सोमवार और बुधवार को 00.30 बजे दानापुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 12.00 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। (20 सेवाएँ)

ठहराव : ठाणे, कल्याण, इगतपुरी नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी जं., फ़तेहपुर, सूबेदारगंज, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.,बक्सर एवं आरा.

संरचना: दो वातानुकूलित 2-टियर, आठ वातानुकूलित 3-टियर, 4 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार।

2) एलटीटी-मऊ-एलटीटी द्वि-साप्ताहिक विशेष (40 सेवाएँ)

01123 द्वि-साप्ताहिक विशेष दिनांक 26.09.2025 से 30.11.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन सुबह 05.35 बजे मऊ पहुँचेगी। (20 सेवाएँ)

01124 द्वि-साप्ताहिक विशेष दिनांक 28.09.2025 से 02.12.2025 तक प्रत्येक रविवार और मंगलवार को सुबह 07.35 बजे मऊ से प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 22.20 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुँचेगी। (20 सेवाएँ)

ठहरावः ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगाँव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी जंक्शन, फतेहपुर, सूबेदारगंज, मिर्जापुर, राणसी जंक्शन, जौनपुर जंक्शन और औरिहार।

संरचनाः दो वातानुकूलित 2-टियर, आठ वातानुकूलित 3-टियर, 4 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार।

3) एलटीटी-बनारस-एलटीटी द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेनें (40 सेवाएँ)

01051 द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 24.09.2025 से 27.11.2025 तक प्रत्येक बुधवार और गुरुवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से दोपहर 12.15 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन दोपहर 01.10 बजे बनारस पहुँचेगी (20 सेवाएँ)।

01052 द्वि-साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 26.09.2025 से 29.11.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार और शनिवार को बनारस से सुबह 06.35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.40 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुँचेगी (20 सेवाएँ)।

ठहरावः ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगाँव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी जंक्शन, फतेहपुर, सूबेदारगंज, मिर्जापुर और वाराणसी।

संरचनाः दो वातानुकूलित 2-टियर, आठ वातानुकूलित 3-टियर, 4 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक यान और 1 जनरेटर कार।

4) एलटीटी-करीमनगर-एलटीटी साप्ताहिक विशेष - (6 सेवाएँ)

01067 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 23.09.2025 से 07.10.2025 तक प्रत्येक मंगलवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 15.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08.30 बजे करीमनगर पहुँचेगी। (3 सेवाएँ)

01068 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 24.09.2025 से 08.10.2025 तक प्रत्येक बुधवार को करीमनगर से 17.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.40 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुँचेगी। (3 सेवाएँ)

ठहरावः ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, नागरसोल, औरंगाबाद, जालना, परतुर, सेलू, परभणी, पूर्णा, हजूर साहिब नांदेड़, मुदखेड़, धर्माबाद, बसर, निजामाबाद, अरमुर, मेटपल्ली और कोराटला।

संरचनाः एक वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, एक वातानुकूलित 2-टियर, पाँच वातानुकूलित 3 -टियर, 8 शयनयान श्रेणी, 4 द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार

5) पुणे-अमरावती-पुणे साप्ताहिक विशेष - (16 सेवाएँ)

01403 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 07.10.2025 से 25.11.2025 तक प्रत्येक मंगलवार को पुणे से 19.55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10.05 बजे अमरावती पहुँचेगी। (8 सेवाएँ)

01404 साप्ताहिक विशेष ट्रेन दिनांक 08.10.2025 से 26.11.2025 तक प्रत्येक बुधवार को अमरावती से 12.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 00.15 बजे पुणे पहुँचेगी। (8 सेवाएँ)

ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, बेलापुर, कोपरगाँव, मनमाड, चालीसगाँव, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, मुर्तिजापुर और बडनेरा।

संरचनाः चार वातानुकूलित 3-टियर, 6 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन

6) पुणे - सांगानेर जंक्शन - पुणे साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष (14 सेवाएँ)

01405 साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष दिनांक 26.09.2025 से 07.11.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार को पुणे से सुबह 09.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 06.45 बजे सांगानेर जंक्शन पहुँचेगी। (7 सेवाएँ)

01406 साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष दिनांक 27.09.2025 से 08.11.2025 तक प्रत्येक शनिवार को सांगानेर जंक्शन से सुबह 11.35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 09.30 बजे पुणे पहुँचेगी। (7 सेवाएँ)

ठहरावः लोनावला (केवल 01406 के लिए), कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर जंक्शन, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर।

01412 द्वि-साप्ताहिक विशेष दिनांक 26.09.2025 से 07.11.2025 तक प्रत्येक शुक्रवार और सोमवार को सांगानेर जंक्शन से 11.35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09.30 बजे पुणे पहुँचेगी। (13 सेवाएँ)

ठहरावः लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर जंक्शन, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर।

संरचनाः चार वातानुकूलित 3-टियर, 6 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन

वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं : पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने भारतीय ऑलराउंडर की तारीफ की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत के खिलाफ अक्सर भावनाएं हावी हो जाती हैं, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि इसी कमी के कारण उन्हें हाल के वर्षों में महत्वपूर्ण मैच गंवाने पड़े हैं। राजनीतिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट एक दशक से भी ज्यादा समय से स्थगित है जिससे उनके मुकाबले आईसीसी और एसीसी प्रतियोगिताओं तक ही सीमित हैं। पिछले 10 सालों में यह प्रतिद्वंद्विता काफी हद तक एकतरफ़ा रही है, जिसमें भारत ने 15 में से 12 मैच जीते हैं।

लतीफ ने कहा, 'हम भावुक या अति उत्साहित हो जाते हैं और एक ही बार में सब कुछ करने की कोशिश करते हैं। हम भारत के खिलाफ मैच को ज्यादा आगे नहीं ले जाते और इसी वजह से पाकिस्तान ज्यादातर हार जाता है।' पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज ने आगे कहा, 'दूसरी ओर, भारत पिच और मैच की स्थिति के अनुसार खेलता है और इसीलिए वे सफल होते हैं।'

दोनों देश रविवार को दुबई में एशिया कप के ग्रुप ए मैच में एक-दूसरे के खिलाफ अपनी प्रतिद्वंद्विता फिर से शुरू करेंगे। लतीफ का मानना है कि हार्दिक पांड्या के फिनिशिंग कौशल, सूर्यकुमार यादव, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन द्वारा प्रदान किया गया संतुलन और जसप्रीत बुमराह की बेजोड़ सटीकता के साथ भारत की संयम बनाए रखने की क्षमता, उन्हें इस समय एक पूर्ण टीम बनाती है। लतीफ ने कहा, 'हार्दिक पांड्या एक खतरनाक खिलाड़ी हैं। मध्यक्रम के खिलाड़ी या नीचे आने वाले खिलाड़ी खेल को बदल सकते हैं। पांड्या ने ऐसा एक बार नहीं, बल्कि कई बार किया है, जो अद्भुत है और इसीलिए उन्हें एक्स-फैक्टर कहा जाता है। वह खेल को पूरी तरह से बदल सकते हैं। अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन और सूर्य कुमार यादव जैसे खिलाड़ी संतुलन लाते हैं, गेंदबाजी में बुमराह एक बड़ी संपत्ति हैं। कुल मिलाकर, यह एक बहुत अच्छी टीम है।'

लतीफ के लिए बुमराह अभी भी वह गेंदबाज हैं जो मुकाबलों को पलट सकते हैं। उन्होंने कहा, 'जहां तक गेंदबाजी की बात है, सटीकता ज्यादा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीयों का धैर्य और कौशल खेल के दौरान बेहतर प्रदर्शन करता है।' मेलबर्न में 2022 के टी20 विश्व कप में विराट कोहली के नाबाद 82 रनों ने भारत को मुश्किल से बाहर निकालकर अंतिम गेंद पर चार विकेट से जीत दिलाई। एक साल बाद एशिया कप में भारत ने कोलंबो में पाकिस्तान को 228 रनों से हरा दिया, लेकिन उनका सुपर 4 मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया। अमेरिका में 2024 के टी20 विश्व कप में बुमराह के तीन विकेटों ने छह रनों से जीत सुनिश्चित की, क्योंकि भारत सिर्फ 119 रनों का बचाव कर पाया।

इस बीच पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में मुश्किल स्पिन पिचों पर त्रिकोणीय श्रृंखला खेलकर आया है, और लतीफ का मानना है कि यह अनुभव उन्हें जल्दी से अनुकूलन करने में मदद कर सकता है। नए कप्तान सलमान अली आगा के नेतृत्व में टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन एक ऐसा मुख्य समूह भी है जिसने इस दशक की शुरुआत में पदार्पण किया था। उन्होंने कहा, 'हमारी टीम वही है। मैं कह सकता हूं कि तीन नए खिलाड़ी हैं। सलमान अली आगा, जो हाल ही में आए हैं। सैम अयूब का 2024 में पदार्पण। हसन नवाज। बाकी खिलाड़ी 2021, 2018 और 2016 के हैं। लतीफ ने कहा, 'हमारे पास एक नया कप्तान भी है और आप कह सकते हैं कि पाकिस्तान को बढ़त हासिल है।'

उन्होंने युवा बल्लेबाज हसन नवाज को भी भारत को झकझोरने वाला एक और बल्लेबाज बताया। उन्होंने कहा, 'हसन नवाज एक खतरनाक खिलाड़ी हैं और खराब गेंद का इंतजार नहीं करते। अगर वह अच्छी गेंद डालते हैं, तो गेंदबाज दबाव में आ जाता है।'

हांगकांग ओपन : सात्विक-चिराग ने किया कमाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के बैडमिंटन स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने हांगकांग ओपन में कमाल कर दिया। देश की नंबर मेंस डबल्स जोड़ी ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया। दोनों ने एक घंटे से ज्यादा समय तक चले मुकाबले में मलेशिया के जुनाइदी आरिफ और रॉय किंग याप को मात दी। टूर्नामेंट में आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 12 सितंब को ये मैच 21-14, 20-22, 21-16 से जीता।

सात्विक और चिराग ने पहले और तीसरे गेम में अपना दबदबा बनाए रखा। दूसरे गेम में भी वे पिछड़ने के बाद लगातार चार अंक जीतकर स्कोर को 20-20 पर ले आए लेकिन चिराग की एक गलत सर्विस ने मलेशियाई जोड़ी को मौका दे दिया और वे दो अंकों के अंतर से ये गेम जीत गए। सात्विक और चिराग के लिए सेमीफाइनल तक का सफर आसान नहीं था।

इससे पहले 11 सितंबर को दोनों ने थाईलैंड के पीराचई सुकपुन और पक्कापोन टीरारात्सकुल को 18-21, 21-15, 21-11 से हराया था। थाई जोड़ी ने पहले गेम में कड़े नेट खेल और मजबूत डिफेंस से भारतीयों को चौंका दिया था लेकिन वर्ल्ड चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडल विजेता सात्विक-चिराग ने दूसरे गेम में अपनी आक्रामकता बढ़ाई और मैच पर पकड़ बना ली।

चलती ट्रेन से कूदीं 'रागिनी एमएमएस रिटर्न' फेम एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा, सिर और कमर पर आईं चोटें

मुंबई। टीवी और बॉलीवुड इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस करिश्मा शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने साथ कुछ ऐसा कर लिया जिसके बाद उन्हें हॉस्पिटल में एडमिट होना पड़ा। करिश्मा ने चलती ट्रेन से कूदकर अपनी जान जोखिम में डाल ली। आनन-फानन में उन्हें हॉस्पिटल लेकर जाया गया। जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, खुद एक्ट्रेस ने इस बारे में ताजा जानकारी दी और फैंस को खुद के लिए दुआ करने को कहा है, अब इसी बीच उनका 4 दिन पुरानी तस्वीर वायरल हो रही है एक फोटो में एक्ट्रेस बंदूक हाथ में लिए नजर आ रही हैं और दूसरी में बंदूक सिर पर रखी हुई है। लोगों ने इस पोस्ट को देखकर कमेंट कर रहे हैं।

करिश्मा शर्मा ने 4 दिन पहले जो अपनी बंदूक संग फोटो शेयर की थी वह एक शूटिंग के दौरान की हैं। वह एक कुर्सी पर बैठी हुईं नजर आ रही हैं और हाथ में एक बंदूक ले रखी हैं और चश्मा लगाया हुआ है। करिश्मा ने एक साथ अपनी कई तस्वीरें शेयर कर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा दिया था। अब कई लोग ऐसे हैं जो उनकी इन तस्वीरों को उनके ट्रेन से छलांग लगाने वाले हादसे से जोड़ रहे हैं। वहीं उनके कुछ फैंस उनकी सुंदरता की तारीफ कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर लोग कमेंट कर रहे हैं और एक्ट्रेस से उनकी सेहत के बारे में पूछ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'मैम आप ठीक हैं?' दूसरे ने लिखा, 'मैम आपने ऐसी फोटो क्यों शेयर की।' तीसरे ने लिखा, 'करिश्मा जी क्या जरूरत थी ट्रेन से छलांग लगाने की।'

बता दें, करिश्मा शर्मा ने बुधवार, 11 सितंबर को मुंबई की चलती लोकल ट्रेन से छलांग लगा दी थी। उनके सिर और पीठ पर गंभीर चोट आई है। करिश्मा जिस समय ट्रेन से कूदी उन्होंने साड़ी पहनी हुई थी। एक्ट्रेस ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि वह भागकर जैसे ही मैं ट्रेन में चढ़ी, ट्रेन की स्पीड बढ़ने लगी और उनके दोस्त पीछे रह गए और ये देखकर वह काफी डर गईं और ट्रेन से कूद गई। अब वह हॉस्पिटल में हैं और ठीक हैं।

खेल मंत्री का बड़ा बयान : कहा- भारत को 2047 तक शीर्ष पांच खेल देशों में लाने के लिये योजना तैयार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में खेल संस्कृति के विकास की प्रक्रिया को सिलसिलेवार और सतत बनाने पर जोर देते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र के साथ शीर्ष पांच खेल महाशक्तियों में शामिल करने के लिये 10 वर्षीय और 25 वर्षीय योजना बनाई गई है जिस पर जल्दी ही अमल होगा।

मांडविया ने कहा कि, भारत की आजादी के सौ साल पूरे होने पर देश को विकसित राष्ट्र बनाने और शीर्ष पांच खेल देशों में शामिल करने का लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिया है।इसके लिये योजना तैयार कर ली गई है जो जल्दी ही देश के सामने आयेगी। इसे लागू करने के लिये नीतिगत बदलाव करने होंगे और हम इस पर जल्दी ही अमल करेंगे।

यहां 'स्पोर्ट्सस्टारः प्लेकॉम बिजनेस समिट 2025' में खेलमंत्री ने अपनी बात रखते हुए कहा कि, हमें ऐसी कार्य संस्कृति तैयार करनी होगी जिसमें प्रतिभा को तलाशने और तराशने का काम व्यवस्थित तरीके से हो। इसके साथ ही दुनिया भर के देश भारत में लीग खेलने आयें। हमें खेल कोटे से नौकरी कर रहे अपने पूर्व खिलाड़ियों के कौशल का भी पूरा इस्तेमाल करना होगा।'' खेलमंत्री ने कहा कि देश में खेलों का इकोसिस्टम तैयार करने और खेलों को जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिये क्रमबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है।

वह यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे कहा कि, इसके लिये मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पहले चरण में फिट इंडिया और खेलो इंडिया जैसी मुहिम शुरू की गई। खिलाड़ियों को तमाम सुविधायें, अनुभव और आधुनिक कोचिंग देने के लिये टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) शुरू हुई। इसके बाद विजन दस्तावेज की जरूरत पड़ी तो हम खेल नीति लेकर आये। खेल मंत्री ने कहा कि, खेलों में अच्छे प्रशासन के लिये सरकार खिलाड़ियों को केंद्र में रखकर खेल प्रशासन विधेयक लेकर आई जिससे खेल महासंघ अदालती विवादों में मसरूफ रहने की बजाय खिलाड़ियों पर फोकस रख सकें।

उन्होंने कहा , '' पहले खेल महासंघों के 350 से ज्यादा विवाद अदालतों में थे। इस बिल में उनके निपटान की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान भी है। खिलाड़ियों के हितों की रक्षा और महिलाओं का खेल महासंघों में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिये विशेष प्रावधान हैं।'' मांडविया ने कहा कि भारत में दूर दराज के इलाकों की प्रतिभाओं को मौके देने के लिये मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना जरूरी है। उन्होंने कहा , ''हमने दुनिया भर में कैसे काम हो रहा है, वह देखा लेकिन अपना मॉडल बनाया। भारत की भौगोलिक विविधता का फायदा उठाते हुए खेलों का विकास सुनिश्चित करना है।आने वाले समय में हम खेल सेक्टर में आने वाले बदलावों को महसूस कर सकते हैं। हमारा लक्ष्य हर पोडियम पर भारत का परचम लहराना होना चाहिये।''

खेलमंत्री ने कहा , ''इसके लिये खेलों को जन आंदोलन में बदलना होगा।

सचिन तेंदुलकर बनेंगे बीसीसीआई के नए अध्यक्ष, महान बल्लेबाज ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने गुरुवार को अटकलों पर विराम लगाते हुए स्पष्ट कर दिया कि वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अगले अध्यक्ष बनने की दौड़ में नहीं हैं। पिछले कुछ दिनों से ऐसी अफवाहें चल रही थीं कि मास्टर ब्लास्टर को रोजर बिन्नी की जगह बीसीसीआई अध्यक्ष बनाने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने एक आधिकारिक बयान जारी कर पुष्टि की है कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है।

एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के आधिकारिक बयान में कहा गया है, 'हमारे संज्ञान में आया है कि सचिन तेंदुलकर के भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष पद के लिए विचार किए जाने या नामांकित किए जाने के बारे में कुछ रिपोर्ट और अफवाहें फैल रही हैं।' बयान में आगे कहा गया, 'हम स्पष्ट रूप से कहना चाहते हैं कि ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। हम सभी संबंधित पक्षों से अनुरोध करते हैं कि वे निराधार अटकलों पर ध्यान न दें।'

बीसीसीआई अध्यक्ष का पद फिलहाल खाली है, क्योंकि रोजर बिन्नी को इस साल की शुरुआत में 70 साल की उम्र पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था। बोर्ड के संविधान के अनुसार कोई भी पदाधिकारी 70 की उम्र के बाद पद पर नहीं रह सकता। इस बीच उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कार्यवाहक अध्यक्ष का कार्यभार संभाल लिया है। पदाधिकारियों के चुनाव 28 सितंबर को होने वाली बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में होंगे और ऐसी अटकलें हैं कि सर्वसम्मति से इस पद के लिए तेंदुलकर से संपर्क किया जा सकता है।

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
निविदा सूचना क्र. : GEM/2025/B/6658427 dated 10.09.2025

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ख्यातीप्राप्त प्रतिष्ठानों / ठेकेदारों से मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम स्थान सहित** : सोलापुर मंडल के सोलापुर कोचिंग डिपो में कोचों की मशीनीकृत सफाई और डिपो परिसर क्षेत्र की सफाई का अनुबंध कार्य तीन साल की अवधि के लिए GeM के माध्यम से जनशक्ति के आधार पर किया गया है। **निविदा कार्य पद्धती** : दो पॅकेट सिस्टम. **कार्य की औसत लागत** : रु. 9,65,59,649.5/- **निविदा प्रपत्र मूल्य** : रु. 0/- **कार्यालय का पता, जहां से निविदा प्रपत्र खरीदे जा सकते है** : मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), मध्य रेल, सोलापुर। **जमा करने योग्य बयाना रकम** : रु. 6,32,800/- **कार्य का समापन अवधि** : तीन साल कार्य की प्रारंभ की तिथि से। **निविदा प्रपत्र जमा करने की तिथी एवं समय** : 08.10.2025 को 10.00 बजे। **निविदा बक्सा खुलने की तिथी एवं समय** : 08.10.2025 को 10.30 बजे। वेबसाईट विवरण एवं सूचना बोर्ड लोकेशन जहां से निविदा के संपूर्ण विवरण देखे जा सकते है : **www.gem.gov.in/**

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता 63

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (प.वि), मध्य रेल, सोलापुर, निम्नलिखित कार्य के लिए ख्याति प्राप्त, अनुभवी और लाईसेंसधारी विद्युत ठेकेदारों से रेल्वे की ई-प्रोक्युरमेंट बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित करते है। **निविदा क्र. सोला/क.वि./नि/2025/21 कार्य का नाम:** एमसीआई फिटिंग्स कैंटिलीवर ब्रेकेट असेंबली को फोर्ज्ड फिटिंग्स में प्रतिस्थापित करके सोलापुर डिवीजन दौंड-भिगवान और कलबुर्गी-वाडी सेक्शन के ओएचई में संशोधन। **अनुमानित लागत:** रू 3,05,14,570/- **बयाना रानि:** रु. 3,02,000/- **कार्य पुरा करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन वेबसाइट पर निविदा बंद होने भी तिथि और समय: **दि. 08/10/2025 को 15.00 बजे।**

व.मं.वि.इं., सोलापुर 64

खतरनाक व विस्फोटक सामान के साथ यात्रा करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
निविदा क्रमांक : **04-2025-GSU-Elect-G**

मुख्य परियोजना प्रबंधक (गति शक्ति), सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से दिनांक को बजे तक निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नाम** : कलबुर्गी स्टेशन पर नई पिट लाइन के प्रावधान से संबंधित विद्युत सामान्य सेवा भाग कार्य। (पुन) आमंत्रण) **अनुमानित लागत** : रु. 1,76,96,884.34/- **बयाना रक्कम**: रु. 2,38,500.00/- **समापन की अवधि** : 12 (बारह) महीने। **अनुरक्षण की अवधि** : स्थापना के चालू होने/अधिग्रहण की तारीख से 12 (बारह) महीने। **वेबसाइट पर ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तारिख और समय** : 07.10.2025 को 15.00 बजे तक। **वेबसाईट पर ई-निविदा खोलने की तारीख और समय** : 07.10.2025 को 15.30 बजे के बाद। **वेबसाइट विवरण** : **www.ireps.gov.in** निविदाकारोंसे निवेदन हैं की कोइ बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मु.प.प्र. (ग.श.) म.रे., सोलापुर 66

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

मध्य रेल
सोलापुर मंडल
निविदा क्रमांक : **34-2025-SrDENC**

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) सोलापुर, भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाये आमंत्रित करते हैं: **निविदा क्र.** : 34-2025-SrDENC **कार्य का नाम** : Reconditioning of CMS crossing in situ by RW-20 Translamatic Robotic Welding at various yards of Solapur division (Total-199 Nos.) **अनुमानित लागत** : रु. 11548138.73/- **बयाना रक्कम**: रु. 207800.00/- **समापन की अवधि** : 12 माह। **अनुरक्षण की अवधि** : NA. **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर अपलोड करने का अंतिम दिनांक और समय** : 06.10.2025 को 15.00 बजे तक। **www.ireps.gov.in इस वेबसाईट पर टेंडर खुलने का दिनांक और समय** : 06.10.2025 को 15.30 बजे। निविदाकारोंसे निवेदन है की कोई बदलाव / शुद्धिपत्र (यदि हो) के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर बंद होने की तारीख तक समय समय पर भेंट दे।

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) म.रे., सोलापुर 65

रेल्वे फाटक को बंद स्थिति में पार करना मना है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ई- निविदा सूचना

विभाग	मुख्य अभियंता (सीवरेज संचालन)	
प्रभाग	कार्यपालक अभियंता यांत्रिक (सीवरेज) डब्ल्यू. एस.	
निविदा संदर्भ संख्या	2025_MCGM_1217528_1	
विषय	कलिना पंपिंग स्टेशन पर 35 एचपी सबमर्सिबल पंपसेट की ओवरहालिंग, परीक्षण और कमीशनिंग का कार्य।	
निविदा बिक्री	12.09.2025 से 22.09.2025 तक	समय 11:00 बजे समय 16:00 बजे
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in	
संचार	इसके बाद, कोई भी शुद्धिपत्र या परिशिष्ट केवल बीएमसी पोर्टल / महाटेंडर पोर्टल लिंक साइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।	
अधिकारीः A) नाम	श्री प्रहलाद आर. पोफले	श्री कृष्णा पाटिल
C) मोबाइल नंबर	9969451627	9820048895
D) ईमेल पता	eemechsws.so@mcgm.gov.in	

कार्यपालक अभियंता यांत्रिक (सीवरेज) डब्ल्यू. एस.

पीआरओ/1577/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

वृक्ष प्राधिकरण
क्रमांक : Dy.SG/ Z-VII / 250 /OD दिनांकः 12.09.2025

-सार्वजनिक सूचना-

महाराष्ट्र (शहरी क्षेत्र) वृक्ष संरक्षण एवं परिरक्षण अधिनियम, 1975 (24 जून 2021 तक संशोधित) की धारा 8 (3) (सी) के प्रावधानों के अनुसार, 'आर/उत्तर' वार्ड से 02 प्रस्ताव, अर्थात् ज़ोन-VII में वृक्षों को हटाने के कुल 02 प्रस्ताव, नगर आयुक्त, अध्यक्ष, वृक्ष प्राधिकरण, एमसीजीएम द्वारा उक्त अधिनियम की धारा (8) की उपधारा (6) के अंतर्गत अनुमोदित किए जाते हैं।

उपर्युक्त प्रस्तावों में कटाई/रोपण हेतु वृक्षों की जानकारी एमईजीएम की वेबसाइट - www.mcgm.gov.in - हमारे बारे में वार्ड/विभाग - विभागीय नियमावली - उद्यान एवं वृक्ष प्राधिकरण, WS294-R/उत्तर, WS295-R/उत्तर पर उपलब्ध है।

उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
वृक्ष प्राधिकरण के उद्यान अधीक्षक एवं वृक्ष अधिकारी
पेंगुइन बिल्डिंग, द्वितीय तल
वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान
डॉ. अंबेडकर रोड, भायखला (पूर्व),
मुंबई 400027.
दूरभाष संख्या - 23742162, ईमेल-sg.gardens@mcgm.gov.in

पीआरओ/1596/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

MAHATRANSCO
Maharashtra State Electricity Transmission Co. Ltd.

E- TENDER 1st CALL NOTICE

MSETCL invites online bids (E-Tender) from registered contractors agencies on Mahatransco E-Tendering website **https://srmetender.mahatransco.in/** for following works

Sr. No.	RFX No.	E-Tender No. & Description of Material	Due date & Time (Hrs.) for submission & Opening of Tender
1	7000037612	**SE/EHV/O&M/CIR/KLW/TECH/Ten-20/25-26** E-Tender for AMC for Loading, Unloading, Transportation, Erection / Dismantling of TF/ICT and transportation of various EHV & HV equipment at various substation/lines under EHV (O&M) Circle, Kalwa.	Tender Downloading Dates & time. Tender Sale period. From **Dt: 13.09.2025, 00:00 Hrs to Dt. 29.09.2025, 09:59 Hrs** **Technical Opening: Dt. 29.09.2025 at 10: 00 Hrs** (Onwards if possible) **Commercial Opening: Dt. 29.09.2025 at 15:00 Hrs** (Onwards if possible)
Tender Fee : Rs. 500 + GST		**Estimated Cost : Limited to Rs. 1,00,00,000/-**	

Contact Person : Executive Engineer/ Dy. Exe. Engineer (O) Tel No. 7506379055

Note: All eligible Supplier / Contractors are mandated to get enrolled on SRM E-Tenders (New) portal of MSETCL.

Sd/-
SUPERINTENDING ENGINEER

वृन्दावन के श्री बांके बिहारी मंदिर में 'वीआईपी' दर्शन बंद, अब सबको लाइन में लग कर ही करने होंगे दर्शन

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा में श्री बांके बिहारी मंदिर की उच्चाधिकार प्राप्त प्रबंधन समिति ने आज अति विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) पास तत्काल प्रभाव से बंद करने और दर्शन के लिए सीधा प्रसारण शुरू करने सहित कई बड़े फैसलों की घोषणा की। उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर गठित उच्चाधिकारप्राप्त समिति ने एक बैठक में मंदिर में दर्शन एवं सुरक्षा व्यवस्था में सुधार लाने का एक बड़ा प्रयास किया है। जिला सूचना अधिकारी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक, मंदिर में पर्ची कटाकर वीआईपी के तौर पर दर्शन करने की व्यवस्था समाप्त कर दी गई है और इसके लिए वीआईपी कटघरा भी हटा दिया जाएगा।

विज्ञप्ति में बताया गया कि अब हर व्यक्ति को लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना होगा, जिससे मंदिर प्रशासन पर भेदभाव का आरोप नहीं लगेगा और दर्शनार्थियों में अनावश्यक धक्का-मुक्की भी नहीं होगी। विज्ञप्ति के मुताबिक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अगले तीन दिनों में यह तय कर देंगे कि किस-किस द्वार से प्रवेश होगा और किस-किस द्वार से निकासी की जा सकेगी। इसके अलावा अब मंदिर की सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस अथवा निजी गार्डों के स्थान पर पूर्व सैनिकों अथवा प्रोफेशनल सुरक्षा एजेंसियों को सौंपी जाएगी। विज्ञप्ति में बताया गया कि अब दर्शन के लिए मंदिर पहले से ज्यादा समय तक खुला रहेगा और यही नहीं दर्शनार्थियों को दुनिया के किसी भी कोने से ठाकुर जी के दर्शन प्राप्त करने की सुविधा भी जल्द ही शुरू की जाएगी।

विज्ञप्ति के मुताबिक, गर्मियों में मंदिर तीन घंटे और सर्दियों के दिनों में पौने तीन घंटे अधिक समय के लिए खुलेगा। समिति ने यह भी तय किया कि मंदिर के भवन का आईआईटी रुड़की से संरचनात्मक ऑडिट कराया जाए और यह भी पता लगाया जाए कि मंदिर के पास कुल कितनी चल-अचल संपत्ति है। समिति ने विशेष तौर पर वर्ष 2013 से 2016 तक के समय की अनियमितताओं की जांच के लिए विशेष ऑडिट कराने और 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट समिति के समक्ष रखने का भी निर्णय लिया है। समिति ने मंदिर के गर्भगृह में वर्षों से बंद कमरे को खोलने का निर्णय लिया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, इसके साथ ही वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी ताकि यह रिकॉर्ड किया जा सके कि कमरे में क्या-क्या है।

बहरहाल, वृन्दावन का बांकेबिहारी मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहाँ आने वाला हर भक्त अपने ईष्टदेव के दर्शन का वही अधिकार रखता है जो किसी और का है। ऐसे में मंदिर प्रशासन का 'वीआईपी दर्शन' बंद करने का निर्णय निस्संदेह स्वागत योग्य और समयोचित कदम है। अब तक की व्यवस्था में विशेषाधिकार प्राप्त लोग सीधे दर्शन कर लेते थे, जबकि आम श्रद्धालुओं को घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ता था। मंदिर जैसा पावन स्थल किसी भी तरह की असमानता का प्रतीक नहीं बनना चाहिए। भक्ति का मूल तत्व ही समानता और निष्काम भाव है। इस दृष्टि से यह निर्णय मंदिर की गरिमा और परंपरा दोनों को पुष्ट करता है।

देश और दुनिया में भारत को गरिमापूर्ण ऊँचाई

सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट

दिलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्र देव जी महाराजने दि शुभकामना और साधुवाद

नई दिल्ली। 10 सितंबर 2025 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से वर्तमान सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज (विहंगम योग) की शिष्टाचार भेंट सम्पन्न हुई। यह भेंट सौहार्द, सम्मान और शुभेच्छाओं के आदान-प्रदान से परिपूर्ण रही।

सद्गुरु महाराज ने प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्र के प्रति उनके अमूल्य योगदान की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि जिस प्रकार माननीय प्रधानमंत्री ने देश की रक्षा एवं सुरक्षा के क्षेत्र में साहसपूर्ण और निर्णायक कदम उठाए हैं, भारत को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए हैं, तथा वैश्विक मंचों पर भारत की गरिमा और गौरव को अभूतपूर्व ऊँचाई प्रदान की है। इसके लिए सद्गुरुदेव ने उन्हें साधुवाद दिया तथा राष्ट्र और समाज की निरंतर उन्नति के लिए शुभकामनाएँ प्रकट की और साधुवाद दिया।

भेंट के दौरान प्रधानमंत्री जी ने विहंगम योग संस्थान और स्वर्वेद महामंदिर धाम के कार्यों के प्रति विशेष रुचि व्यक्त की। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्वयं अनेक अतिविशिष्ट व्यक्तित्वों से स्वर्वेद महामंदिर धाम की प्रशंसा की है। माननीय प्रधानमंत्री की सराहना और प्रेरणा के फलस्वरूप वे विशिष्ट व्यक्ति वास्तव में धाम पर पधारे और वहाँ की अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने महामंदिर की विशेषताओं के विषय में और अधिक जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही उन्होंने संत प्रवर श्री विज्ञान देव जी महाराज की कश्मीर से कन्याकुमारी तक की व्यापक भारत-यात्रा के विषय में विशेष रुचि से जानकारी ली और इस राष्ट्रीय यात्रा के महत्व को रेखांकित किया।

वर्तमान सद्गुरु स्वतंत्र देव जी महाराज ने विहंगम योग द्वारा देश और विदेश में चलाए जा रहे आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और जनकल्याणकारी प्रयासों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने हाल ही में सम्पन्न अपने अमेरिका, कनाडा और यूरोप प्रवास का उल्लेख करते हुए बताया कि किस प्रकार भारतीय अध्यात्म और योग परंपरा का वैश्विक स्तर पर प्रसार और सम्मान बढ़ा है।

भेंट का वातावरण पूर्णतः आत्मीय, सकारात्मक एवं प्रेरणादायी रहा। अंत में, स्वामी जी ने राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य और प्रधानमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं।

कैन फिन पब्लिक लिमिटेड बैंक का उद्घाटन हुआ संपन्न

बाराबंकी । विगत दिवस बाराबंकी जनपद में केनरा बैंक से बैंक कैन फिन पब्लिक लिमिटेड बैंक का उद्घाटन बैंक के ब्रांच मैनेजर व डिप्टी मैनेजर के कुशल संयोजन में संपन्न हुआ,उद्घाटन में बैंक के नैशनल प्रेसिडेंट उठाया कुमार अलागु, जोनल हेड श्रीवास्तव के साथ संयुक्त आयुक्त राज्य कर व प्रधान सम्पादक DR सुनील वर्मा,सलाहकार सम्पादक वेदप्रकाश द्विवेदी सहित कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे,जिसमें-विवेचना मिश्रा जॉइंट कमिश्नर उएऊ यूपी, उथाया कुमार अलागु प्रेसिडेंट कैन फिन होम्स लिमिटेड, संतोष प्रकाश श्रीवास्तवा- जोनल हेड,आशीष श्रीवास्तवा शाखा प्रबंधक बाराबंकी,सौरभ त्रिपाठी उप शाखा प्रबंधक,ऋतिक जायसवाल फील्ड ऑफिसर सहित बैंक के कई कर्मचारी अधिकारी मौजूद रहे है

एसआईटी रिपोर्ट में 'विस्फोटक' खुलासे, देश के खिलाफ काम कर रहे गिरोह की ओर इशारा : हिमंत शर्मा

गुवाहटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनके परिवार के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच करने वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में 'विस्फोटक खुलासे' हैं और यह देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम करने और नीचा दिखाने के लिए काम कर रहे एक गिरोह की ओर इशारा करती है।

मुख्यमंत्री ने यहां बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के कार्यक्रम से इतर कहा, ''मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह एक बेहद विस्फोटक रिपोर्ट है। यह एक तरह का गिरोह है जो हमारे देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम और उसे नीचा दिखाने के लिए काम कर रहा था।''

उन्होंने कहा, ''उस गिरोह में एक पाकिस्तानी नागरिक और कांग्रेस सांसद की ब्रिटिश पत्नी शामिल हैं।

रिपोर्ट में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसआईटी टीम ने ''हमारे देश की संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करने वाले कई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बरामद किए हैं।''

उन्होंने कहा कि एक बार कैबिनेट इस पर चर्चा कर ले, तो 'हम आम जनता के लिए रिपोर्ट जारी करेंगे और आगे उठाए जाने वाले कदमों पर भी फैसला करेंगे।'' शर्मा ने कहा, ''पहले रिपोर्ट पर चर्चा करना और फिर आगे की कार्रवाई पर फैसला लेना कैबिनेट का विशेषाधिकार है।'' उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रधानमंत्री का राज्य का दो दिवसीय दौरा और 22 सितंबर को बीटीसी चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम रिपोर्ट को लेकर कोई नाटक नहीं करना चाहते, क्योंकि सरकार 'टीआरपी' के लिए काम नहीं करती। हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और ज़रूरी प्रक्रिया का पालन करेंगे।''

विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व वाली एसआईटी ने बुधवार शाम मुख्यमंत्री को औपचारिक रूप से रिपोर्ट सौंप दी थी। कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शर्मा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से अपने पद का मजाक उड़ाया है और उनके शब्दों की विश्वसनीयता खत्म हो गयी है। इस पर शर्मा ने कहा कि 'मीडिया ने उन्हें नायक बना दिया है।'' '

भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर 'बॉडी डबल' (हूबहू दिखने वाले व्यक्ति) का इस्तेमाल किए जाने के बारे में शर्मा ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में सारी जानकारियां दे दी थीं।

योगी सरकार एक विशेष समाज को चिन्हित कर मरवा रही है- बीजेपी कार्यकर्ता की पुलिस पिटाई से मौत पर बोल अजय राय

ग़ाज़ीपुर **(एजेंसी)**। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय आज गाजीपुर के नोनहरा थाना क्षेत्र के रुकूनुद्दीनपुर गांव पहुंचे जहां पर एक दिन पूर्व पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता का मौत हुआ था आज उस परिवार से मिलकर अजय राय ने ढांढस बंधवाया। उन्होंने कहा कि सियाराम उपाध्याय के परिवार से मिला। वह निहायत गरीब परिवार है उनके बड़े भाई ट्रक चलने का काम करते हैं। पुलिस ने जिस तरह से दौड़ा-दौड़ा का और लाइट बंद कर कर मारा है तो आम जनता की क्या स्थिति होगी आप समझ सकते हैं। मृतक भाजपा के कार्यकर्ता भी रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कल प्रधानमंत्री मोदी वाराणसी में थे जिसमें पूरे भारतीय जनता पार्टी के पूरे देश के मंत्री और नेता शामिल हुए थे। देश के ना ही कोई मंत्री और ना ही कोई सरकार का नुमाइंदा इनसे मिलने के लिए आया ताकि उनकी कुछ मदद हो सके। अभी सिर्फ खानापूर्ति की गई है कुछ लोगों को हटाया गया कुछ लोगों को सस्पेंड किया गया है

नाटो सीमा पर रूस का जबरदस्त शक्ति प्रदर्शन, रूस बेलारूस सैन्य अभ्यास से पूरे यूरोप के लिए चुनौतियां बढ़ीं

मॉस्को **(एजेंसी)**। रूस और बेलारूस द्वारा शुरू किया गया 'ज़ापाद-2025' सैन्य अभ्यास केवल एक नियमित युद्धाभ्यास नहीं है; यह नाटो की सीमा के पास एक स्पष्ट शक्ति प्रदर्शन और राजनीतिक संदेश भी है। बाल्टिक और बारेंट्स सागर में फैले इस अभ्यास ने यह संकेत दे दिया है कि रूस न केवल अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत कर रहा है, बल्कि पश्चिमी दुनिया को चेतावनी देने की रणनीति भी अपना रहा है। यह अभ्यास, ऐसे समय में हो रहा है जब रूस-यूक्रेन युद्ध अपने निर्णायक चरण में है और सीमाओं के पार सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा रहा है।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने अभ्यास के उद्देश्य को सैन्य प्रशिक्षण और कमांडरों की क्षमता सुधारना बताया है। इस प्रशिक्षण के तहत पहले चरण में काल्पनिक हमले का सामना करने की तैयारी होगी, जबकि दूसरे चरण में 'यूनियन स्टेट' की अखंडता बहाल करने और मित्र राष्ट्रों के सहयोग से दुश्मन को कुचलने पर जोर होगा। हालांकि क्रेमलिन ने इसे किसी विशेष देश के खिलाफ नहीं बताया, लेकिन पोलैंड में ड्रोन घटनाओं ने पश्चिम में चिंता बढ़ा दी है। देखा जाये तो यह पहली बार है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष का प्रत्यक्ष प्रभाव नाटो के सदस्य देशों की सीमाओं तक पहुँच गया है।

दूसरी ओर, पोलैंड की प्रतिक्रिया इस खतरे की गंभीरता को दर्शाती है। देश ने अपने हवाई क्षेत्र में घुस आए रूसी ड्रोन को नष्ट किया, बेलारूस सीमा को बंद कर दिया और नाटो सहयोगियों की मदद ली। यह घटना केवल सैन्य प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि यूरोप में सामूहिक सुरक्षा का एक संकेत भी है। इसके अलावा, फ्रांस ने तुरंत तीन राफेल जेट्स तैनात किए, जबकि डेनमार्क ने अपने हवाई सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए बड़े पैमाने पर यूरोपीय निर्मित हवाई रक्षा प्रणाली खरीदने का निर्णय लिया। यह स्पष्ट संदेश है कि यूरोप रूस की बढ़ती धमकियों को गंभीरता से ले रहा है और सामरिक तैयारियों में तेजी ला रहा है।

इस तनावपूर्ण परिदृश्य में, यूक्रेन ने भी अपनी रणनीति को तेज किया है। रूस के उत्तर-पश्चिमी पोर्ट प्रिसोर्स्क पर ड्रोन हमलों ने रूस के ऊर्जा आपूर्ति तंत्र को चुनौती दी है। यूक्रेन की ये कार्रवाई यह दर्शाती है कि युद्ध केवल मोर्चों तक सीमित नहीं है; यह रूस के घरेलू ऊर्जा संसाधनों और आर्थिक हितों तक फैल गया है। रूस ने ड्रोन हमलों से निपटने के लिए व्यापक हवाई रक्षा तंत्र लगाया और क्रूड निर्यात योजनाओं में बदलाव किया, लेकिन नागरिकों में चिंता और भय स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

संपूर्ण परिदृश्य यह संकेत देता है कि यूरोप-पूर्व में सुरक्षा और शक्ति संतुलन अब पहले से कहीं अधिक जटिल और संवेदनशील हो गया है। रूस के अभ्यास, पोलैंड की सक्रिय प्रतिक्रिया और यूक्रेन के रणनीतिक हमले मिलकर यह दर्शाते हैं कि यह क्षेत्र अब केवल सैन्य संघर्ष का केंद्र नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन और ऊर्जा सुरक्षा का प्रमुख स्थल बन गया है। निश्चित रूप से, 'ज़ापाद-2025' केवल सैन्य तैयारी नहीं, बल्कि यूरोप में रणनीतिक और राजनीतिक संदेश भी है। नाटो और यूरोपीय देश यह स्पष्ट कर रहे हैं कि वे किसी भी तरह की धमकी या आक्रामकता के प्रति सतर्क हैं। वहीं, यूक्रेन की कार्रवाई यह संकेत देती है कि संघर्ष केवल मोर्चे तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके बहुआयामी प्रभाव पूरे क्षेत्र को प्रभावित कर रहे हैं।

इसलिए, इस समय यूरोप में सुरक्षा परिदृश्य अधिक संवेदनशील, अस्थिर और रणनीतिक दृष्टि से जटिल बन गया है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने नाटो और रूस के बीच शक्ति संतुलन को चुनौती दी है और यह स्पष्ट कर दिया है कि अब किसी भी सैन्य या राजनीतिक घटना का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिल सकता है।

बहरहाल, रूस और बेलारूस का 'ज़ापाद-2025' अभ्यास और पोलैंड, फ्रांस, डेनमार्क की सक्रिय सुरक्षा प्रतिक्रिया इस बात का प्रतीक है कि यूरोप में सुरक्षा केवल राष्ट्रीय सीमाओं तक सीमित नहीं रही।

करीबी की हुई मौत, लेकिन वाईएमसीए पर कदम थिरकाने से खुद को नहीं रोक पाए ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को न्यूयॉर्क यांकीज़ खेल में भाग लेने और 'वाईएमसीए' गाने पर थिरकने को लेकर ट्रोल होने लगे। यह घटना यूटा में उनके करीबी सहयोगी चार्ली किर्क की हत्या के एक दिन बाद हुई है। अपने खास़ सूट और लाल टाई पहने ट्रंप, यांकीज़ टीम के अध्यक्ष रैंडी लेविन के बगल में बैठे थे और पूरे मैच के दौरान उनसे बातें करते रहे। खेल के दौरान उन्हें कई बार अकेले बैठे भी देखा गया। ट्रम्प की खेल में उपस्थिति 9/11 हमलों की वर्षगांठ पर भी हुई। बाद में जब स्टेडियम में 'वाईएमसीए' गाना बजाया गया, तो राष्ट्रपति अपनी सीट पर बैठे-बैठे ही संगीत पर नाचते नज़र आए। वे बीच-बीच में गीत गाते रहे और अपने 'नृत्य' में दोनों हाथ हिलाते रहे। न्यूयॉर्क यांकीज़ ने चार्ली किर्क को श्रद्धांजलि अर्पित की और गुरुवार के खेल से पहले उनके सम्मान में एक क्षण का मौन रखा।

हालाँकि, ट्रंप के खुशमिजाज़ मिजाज़ पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएँ मिलीं। कुछ लोगों ने ऐसे समय में जब पूरा देश किर्क की दुखद मौत के सदमे से गुज़र रहा था और 9/11 की बरसी मना रहा था, उनके उत्साह को बनाए रखने के प्रयासों की सराहना की। वहीं कुछ लोगों ने ट्रंप को अपने करीबी सहयोगी की मौत पर शोक मनाने के बजाय नाचने के लिए ट्रोल किया। सोशल मीडिया पर उनके डांस के वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए एक यूजर ने लिखा कि चार्ली किर्क की मौत हो गई, ट्रम्प यांकीज़ गेम में दिखाई दिए। केवल अमेरिका में ही राजनीति में शोक, बेसबॉल और बुलेटप्रूफ ग्लास को एक ही पारी में मिलाया जाता है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि माफ़ करना, मैं अभी भी वहाँ नहीं पहुँचा हूँ। अभी तो कुछ भी मज़ेदार नहीं है।

आपको बता दें कि मात्र 31 वर्षीय किर्क की यूटा वैली विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में भाषण देते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखा कि चार्ली माइक पकड़कर तंबू के नीचे बोल रहे हैं, तभी अचानक एक गोली उनकी गर्दन के पास आकर लगती है।

इजरायल को यूएनएससी में घेरने चला था पाकिस्तान, 4 सेकेंड में वैश्विक मंच पर हुई बेइज्जती

संयुक्त राष्ट्र **(एजेंसी)**। चार सेकंड और एक वाक्य में ही पाकिस्तान वैश्विक मंच पर शर्मसार हो गया। यह तीखा पल तब आया जब संयुक्त राष्ट्र कतर में हमास के राजनीतिक नेतृत्व को निशाना बनाकर किए गए इज़राइल के हालिया हमले पर चर्चा कर रहा था। यह घटना तब हुई जब मानवाधिकार वकील और यूएन वॉच के कार्यकारी निदेशक हिलेल नेउर कतर पर आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगा रहे थे और इस खाड़ी देश पर आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश होने का आरोप लगा रहे थे। नूयर ने इज़राइल की निंदा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख पर भी निशाना साधा।

उन्होंने याद दिलाया कि जब अमेरिका ने अल-क़ायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया था, तब तत्कालीन संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा था कि न्याय हो गया है।

हालाँकि, पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने नूयर द्वारा बिन लादेन और देश का ज़िक्र करने पर नाराज़ होकर उन्हें बीच में ही रोक दिया। प्रतिनिधि ने यूएनएचआरसी अध्यक्ष से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया कि कोई भी वक्ता संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों और संप्रभु सदस्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन न करे। पाकिस्तान ने कहा, 'हम निराधार आरोप लगाने और आरोप लगाने का विरोध करते हैं। हालाँकि, यूएनएचआरसी अध्यक्ष ने जल्द ही माइक नूयर को वापस दे दिया

नेपाल में हुई तेल की कमी, भारत ने धड़ाधड़ टैंकर भेजने शुरू कर दिए, ट्रंप पकड़ लेंगे माथा

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल में पिछले 72 घंटों से लगातार हालात बिगड़े हुए हैं। नेपाल में सड़क का घमासान अब सियासी खींचतान में बदल गया है। बेन-जी समूहों ने अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए सुप्रीम कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की पर सहमति जताई थी, लेकिन अब वे बंट गए हैं। जेन-जी के अलग-अलग समूह अलग-अलग नाम सुझा रहे हैं। इस कारण उनमें झड़पें शुरू हो गई हैं। अंतरिम प्रधानमंत्री के लिए तीन और दावेदारों के नाम सामने आए हैं। इनमें कुलमान घीसिंग, बालेन शाह, मेगर हरका सम्पांग शामिल हैं। नेपाल में अंतिरम सरकार का नेतृत्व कौन करेगा। किसकी सरकार बनेगी। संसद भंग होगा, इन सभी बातों को लेकर विचार मंथन जारी है। एक तरफ जहां सेना मुख्यालय में बैठकर इसको लेकर चिंतन मंथन किया जा रहा है।

दूसरी तरफ सड़कों पर जेन जेड आपस में ही भिड़ने लगे हैं। वहीं नेपाल में तेल की भी क्राइसिस खड़ी हो गई। पेट्रोल-डीजल की कमी होने लगी। उसके बाद बार्डर बंद होने के बाद से ट्रेड रूक सा गया था। भारत से नेपाल पहुंचने वाले तेल के टैंकर इंतजार में खड़े थे कि कब उन्हें काठमांडू में दाखिल होने का मौका मिलेगा तो वो वक्त 72 घंटों के बाद आया है। विरोध-प्रदर्शनों से प्रभावित नेपाल में फंसे 420 से ज़्यादा भारतीय आखिरकार गुरुवार को स्वदेश लौट सके क्योंकि सोमवार से बंद पानीटंकी स्थित भारत-नेपाल सीमा खुल गई। भारत में मौजूद लगभग 560 नेपाली नागरिक नेपाल जा सके। भारत से 19 पेट्रोलियम टैंकरों सहित 36 ट्रक भी नेपाल पहुँचे, जिससे ज़रूरी ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित हुई। जल्दी खराब होने वाले सामान से लदे चार ट्रक शाम को नेपाल के लिए रवाना होने वाले थे, जो माल की कमी से जूझ रहे इस हिमालयी देश के लिए रसद सामग्री लेकर जाएँगे। तीन एम्बुलेंस को पानीटंकी से गुज़रने की अनुमति दी गई।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)